संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 09
पृष्ठ 8
बुधवार
24 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एजिंग स्किन को कहें बाय-बाय...   विचार- ट्रंप का एक और झटका...   खेल- हारिस रऊफ के विवादित इशारे के...

अगले तीन वर्षों में भारत शीर्ष 10 में शामिल हो जाएगा : अमित शाह

● वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग 91 से बढ़कर 38 हो गई

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पिछले एक दशक में वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग 91 से बढ़कर 38 हो गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले तीन वर्षों में भारत शीर्ष 10 में शामिल हो जाएगा। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया अभियान के परिणाम दिखने लगे हैं। भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है और इसने देश के युवाओं को नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वाला बना दिया है। गुजरात सरकार के स्टार्टअप कॉन्क्लेव के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक की घोषणा की गई है। 2015 में इस सूचकांक में हमारी रैंकिंग 91 थी, लेकिन 2025 में हम 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह हमारे लोगों की क्षमता को दर्शाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले तीन वर्षों में भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल होगा और हमारे युवाओं के प्रदर्शन और क्षमताओं को देखते हुए, दुनिया में नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएगा। स्टार्टअप इंडिया योजना भारत सरकार की प्रमुख पहल है। जिसे 2016 में नवाचार को बढ़ावा देने और एक मज़बूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए शुरू किया गया था, जिससे भारत को नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में बदला जा सके।

कोलकाता में मूसलाधार बारिश से सड़कों पर तीन फीट तक भरा पानी, सात की मौत

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और इसके आसपास के क्षेत्रों में सोमवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश की वजह से मंगलवार को आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। दूसरी तरफ अधिकारियों ने बताया कि वर्षा जनित घटनाओं के चलते सात लोगों की मौत हो गई। यह सातों लोग वर्षा के दौरान करंट की चपेट में आ गए। अब तक जिन लोगों की जान गई है उनमें तीन की पहचान हो चुकी है। इनमें एक बेनियाकपुर के रहने वाले फिरोज अली खान (50), नेताजी नगर के प्रणतोष कुंडु (62) और इकबालपुल की मुमताज बीबी (70) शामिल हैं।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप : युवा बेरोजगारी की वजह भाजपा की वोट चोरी है

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि देश में युवाओं की बेरोजगारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा की गई ष्वोट चोरीष का सीधा परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने लोगों के हितों का ध्यान नहीं रखा है और संस्थानों पर कब्जा करके सत्ता में बनी हुई है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है – और यह सीधे तौर पर वोट चोरी से जुड़ी है। जब कोई भी सरकार लोगों का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है, तो उसका पहला कर्तव्य युवाओं को रोजगार और अवसर प्रदान करना होता है। लेकिन भाजपा ईमानदारी से चुनाव नहीं जीतती – वे वोट चुराकर और संस्थानों को बंदी बनाकर सत्ता में बनी रहती है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि संस्थानों पर भाजपा के कब्ज़े के कारण देश में नौकरियों में गिरावट, भर्ती प्रक्रियाएँ चरमरा रही हैं और युवाओं का भविष्य अंधकार में जा रहा है। गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि देश का युवा कड़ी मेहनत करता है, सपने देखता है और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। लेकिन श्री मोदी केवल अपने प्रचार, मशहूर हस्तियों से अपनी प्रशंसा करवाने और अरबपतियों के मुनाफ़े में व्यस्त हैं। युवाओं की उम्मीदों को तोड़ना और उन्हें हताश करना इस सरकार की पहचान बन गई है। हालांकि, उन्होंने उल्लेख किया कि बदलाव आ रहा है क्योंकि देश का युवा न तो नौकरियों की लूट और न ही वोटों की चोरी बर्दाश्त करेगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बार–बार बड़े पैमाने पर व्यवस्थित चुनावी धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं और दावा करते रहे हैं कि विपक्षी दलों के वोटों को ख़ास तौर पर निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही वह सबूतों का एक हाइड्रोजन बम जारी करेंगे जो स्पष्ट रूप से साबित कर देगा कि प्रधानमंत्री मोदी कथित वोट चोरी में शामिल थे। राहुल गांधी ने 20 सितंबर को वायनाड में कहा, "हम एक ऐसा हाइड्रोजन बम उजागर करने जा रहे हैं जो स्थिति की वास्तविकता को पूरी तरह से ध्वस्त कर देगा। हम जो कह रहे हैं उसके हमारे पास साफ़ सबूत हैं। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा हूँ, हमारे पास 100 प्रतिशत सबूत हैं कि जो कुछ हुआ है, वह सामने आने वाला है।"

मणिपुर में सेना–असम राइफल्स का बड़ा ऑपरेशन, 9 उग्रवादी गिरफ्तार, भारी हथियार बरामद

मणिपुर, एजेंसी। स्पीयर कोर के नेतृत्व में भारतीय सेना और असम राइफल्स ने 15 से 21 सितंबर, 2025 तक मणिपुर में खुफिया जानकारी पर आधारित संयुक्त अभियानों की एक श्रृंखला शुरू की। मणिपुर पुलिस के साथ इन समन्वित प्रयासों ने तेंगनौपाल, थौबल, इंफाल पूर्व, तामेंगलोंग, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और चंदेल सहित कई जिलों को निशाना बनाया। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने कहा कि इन अभियानों के दौरान नौ सक्रिय कैडर पकड़े गए। सुरक्षा बलों ने 36 हथियार, नशीले पदार्थ और अन्य युद्ध–संबंधी सामान बरामद किए। अभियान पहाड़ी और घाटी जिलों में चलाए गए, जो सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का संकेत देते हैं। ये संयुक्त अभियान मणिपुर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं। इससे पहले, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, असम राइफल्स ने 18 सितंबर को चंपई जिले के सैखुम्फई के घने जंगलों में एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया था। 19 सितंबर की सुबह, सैनिकों ने हथियारों का एक छुपा हुआ जखीरा बरामद किया जिसमें एक हेकलर एंड कोच जी3 असॉल्ट राइफल, एक स्प्रिंगफील्ड स्नाइपर राइफल, एक 60 मिमी मोर्टार ट्यूब, विभिन्न राइफलों के लिए 21 राउंड गोला–बारूद और 13 ग्रेनेड शामिल थे। इसके अलावा, युद्ध के लिए उपयुक्त सामान भी बरामद किया गया, जिसमें आठ मीटर का कॉर्डटेक्स, दो ट्रिप वायर, एक स्नाइपर स्कोप, दो आरपीजी रेंज एक्सटेंडर, एक एके–47 और एक पिस्तौल के लिए एक–एक मैगज़ीन, एंटेना वाले दो रेडियो सेट, एक अतिरिक्त एंटेना और अन्य विविध वस्तुएँ शामिल थीं। बरामदगी के बाद, टीम ने आसपास के क्षेत्र में किसी भी भूमिगत कैडर की मौजूदगी का पता लगाने के लिए विस्तृत क्षेत्र का निरीक्षण किया। बरामद हथियार, गोला–बारूद और युद्ध संबंधी सामान को आगे की जांच के लिए डुंग्टलांग पुलिस विभाग को सौंप दिया गया।

23 महीने बाद आखिरकार जेल से रिहा हुए आजम खान

सीतापुर, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान उत्तर प्रदेश की सीतापुर जेल से रिहा हो गए, जहाँ वे लगभग 23 महीने से बंद थे। उन्हें क्वालिटी बार भूमि अतिक्रमण मामले में जेल में रखा गया था। आजम खान का स्वागत करने आए सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनके सहयोगी और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान को झूठे मामलों में फँसाया गया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, यादव ने सीतापुर जेल में बंद आजम खान को ज़मानत देने के अदालत के फैसले का स्वागत किया। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रहे यादव ने कहा, ष्आजम खान को सरकार ने झूठे मामलों में फँसाया था। हालाँकि, अदालत ने उन्हें ज़मानत दे दी है और उन्हें मामलों में राहत प्रदान की है। मैं इस फैसले का स्वागत करता हूँ। मैं सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय का स्वागत करता हूँ।

उनके खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज किए गए थे। समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी है। यह पूछे जाने पर कि क्या खान बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल होंगे, यादव ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा, ये सब झूठ हैं। समाजवादी पार्टी पूरी तरह से उनके साथ है। खान को हाल ही में भूमि अतिक्रमण के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से ज़मानत मिली है। इससे पहले, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री मोहम्मद आज़म खान को क्वालिटी बार भूमि मामले में ज़मानत दे दी थी। एएनआई से बात करते हुए, आज़म खान के वकील मोहम्मद खालिद ने कहा कि इस ज़मानत के साथ, अब उन्हें जेल में रखने वाला कोई भी मामला लंबित नहीं है, जिससे संकेत मिलता है कि उनके जल्द ही रिहा होने की संभावना है। खालिद ने कहा, इसलिए, अब कोई भी ऐसा मामला लंबित नहीं है जिसके लिए उन्हें जेल में रखा जाए। आज तक, सभी मामलों में ज़मानत मिल चुकी है। इस प्रक्रिया में दो से तीन दिन लग सकते हैं। अभी तक, कोई अन्य लंबित मामला नहीं है...। क्वालिटी बार भूमि मामले के बारे में बताते हुए, खालिद ने कहा कि आरोपों में दावा किया गया है कि आज़म खान ने 2013 में कैबिनेट मंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करके अपने परिवार के एक सदस्य को ज़मीन आवंटित की थी।

दिल्ली में पोस्टर चिपकाना पड़ेगा महंगा : सीएम रेखा गुप्ता की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे स्वच्छता अभियान के बीच, दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह ने मंगलवार को सार्वजनिक दीवारों पर पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा दिन में की गई घोषणा का स्वागत किया। सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोगों से कहा गया है कि वे दिल्ली की दीवारों को साफ–सुथरा और अच्छी तरह से बनाए रखें ताकि यह साफ–सुथरी दिखे। इस संबंध में, मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को भी अपना पोस्टर नहीं लगाना चाहिए। अगर कोई ऐसा करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। यह एक अच्छी पहल है और बहुत जरूरी भी है। इस बीच, दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 33 जगहों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। उन्होंने नागरिकों से शहर को साफ रखने का आग्रह किया।

दिल्ली में मिलावटी कुट्टू का आटा खाने 200 लोग बीमार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर–पश्चिमी दिल्ली के लगभग 200 निवासियों ने मंगलवार सुबह कुट्टू का आटा खाने के बाद बेचौनी की शिकायत की। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (उत्तर पश्चिम) भीष्म सिंह ने कहा कि जहांगीरपुरी स्थित बीजेआरएम अस्पताल में सुबह छह बजे से ही जहांगीरपुरी, महेंद्र पार्क, समयपुर, भलस्वा डेयरी, लाल बाग और स्वरूप नगर जैसे इलाकों से मरीज आने लगे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. विशेष यादव ने बताया कि लगभग 150 से 200 लोग उल्टी की शिकायत लेकर आपातकालीन वार्ड में आए। सिंह ने यादव के हवाले से कहा सभी मरीज़ स्थिर थे, किसी को भी भर्ती करने की ज़रूरत नहीं थी और कोई भी मामला गंभीर नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि यह जानकारी घबराहट से बचने के लिए साझा की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जहाँगीरपुरी से सुबह करीब 6रू10 बजे बेचौनी की कॉल आने लगीं। इसके बाद से, बीट कर्मचारियों को लाउडस्पीकर पर घोषणाएँ करने के लिए मोहल्लों में भेजा गया है ताकि दुकानदारों, विक्रेताओं और निवासियों को बेचे जा रहे आटे की गुणवत्ता के बारे में आगाह किया जा सके। स्थानीय दुकानदारों को जागरूक किया जा रहा है। यह मामला खाद्य विभाग के समक्ष भी उठाया गया है। कुट्टू का आटा, जो कुट्टू से बनता है, नवरात्रि के व्रत के दौरान खूब खाया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि वे खाद्य सुरक्षा टीमों से जानकारी मिलने का इंतज़ार कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि आटा दूषित या मिलावटी तो नहीं है।

उत्तराखंड में सुगंध क्रांति नीति को हरी झंडी

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने मंगलवार को राज्य की 'उत्तराखंड सुगंध क्रांति नीति 2026–2036' को मंजूरी दे दी। नीति के पहले चरण में, 91,000 लाभार्थियों के माध्यम से 22,750 हेक्टेयर भूमि को सुगंधित फसलों के अंतर्गत लाया जाएगा। किसानों को एक हेक्टेयर की खेती की लागत पर 80 प्रतिशत तक और एक हेक्टेयर से अधिक की लागत पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। सुगंध क्रांति नीति के अलावा, कई अन्य योजनाओं पर भी विचार किया गया और शिक्षा, आवास और कारागार के लिए विभिन्न व्यय को भी मंजूरी दी गई।

26 राज्यों के छात्रों ने लिया प्रवेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025–26 में छह देशों और भारत के 26 राज्यों के विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। केन्या, कोरिया, नेपाल और अफगानिस्तान सहित छह देशों के छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। कुल 18 देशों से प्रवेश के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। पहली बार दक्षिण भारत से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली सहित अनेक राज्यों के छात्रों ने अलग–अलग पाठ्यक्रमों में नामांकन कराया है।

मालिनी अवस्थी को मिलेगी मानद उपाधि

प्रयागराज। पूरब का ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में प्रसिद्ध लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी को ऑनरोस कॉजा की मानद उपाधि से

सम्मानित किया जाएगा। मंगलवार की शाम 6रू30 बजे कला संकाय स्थित सीनेट हॉल में होगा। आईआरएफ रैंकिंग में प्रबंधन श्रेणी में विश्वविद्यालय को इस बार भी 101–125 रैंक बैंड प्राप्त हुआ है। वहीं, इंजीनियरिंग श्रेणी में यह 200–250 से छलांग लगाकर 101–150 रैंक बैंड में पहुंच गया है। यानी विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग क्षेत्र में 100 पायदान की प्रगति दर्ज की है।

इविवि : पठन–पाठन को ऊंचाई दे रहे 15 देशों से लौटे शिक्षक

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय मंगलवार को अपना गौरवशाली 138वां स्थापना दिवस मनाएगा। पठन–पाठन और शोध को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से 15 देशों से लौटे शिक्षक विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। लगभग 400 नवनियुक्त शिक्षकों

में ये 15 शिक्षक विशेष पहचान रखते हैं, जिन्होंने विदेशों की उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में अध्यापन और शोध का अनुभव अर्जित किया है। अब वे अपने अनुभव से इविवि को वैश्विक मानकों पर आगे बढ़ाने का संकल्प लिए हुए हैं। इन शिक्षकों की नियुक्ति से न केवल शोध कार्य की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि छात्रों को भी अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ विषयों की गहरी समझ प्राप्त होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि यह पहल 'ज्ञान और परंपरा की उस धारा को और मजबूत करेगी, जिसके लिए इविवि देश और विदेश में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है।

20 साल बाद भी नवप्रयागम आवास योजना को नहीं मिली बाधाओं से मुक्ति

प्रयागराज। अरैल में संगम तट पर प्रस्तावित नवप्रयागम आवास योजना फाइलों तक सिमट कर रह गई है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण दो दशक से आवास योजना को आकार देने की कोशिश कर रहा है। आवास योजना को लेकर पीडीए में अफसर लगातार बैठक कर रहे हैं, लेकिन इसके निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलना सबसे बड़ी बाधा है। गंगा के 500 मीटर दायरे में लगी रोक के चलते आवास योजना के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है। पहले हाईकोर्ट ने गंगा के 500 मीटर दायरे में किसी तरह के निर्माण पर रोक लगाई। अब यह मामला एनजीटी में अटका है। एनजीटी ने हाल ही में अरैल में लगभग दो दशक पहले बनी ओमेक्स सिटी के फ्लैट और विला के आवंटन की छूट दी तो नवप्रयागम आवास योजना का काम शुरू होने की उम्मीद जगी। इसी उम्मीद के आधार पर पीडीए ने 40 हेक्टेयर में वृहद आवास योजना बनाने की तैयारी शुरू कर दी। पांच साल पहले आवास योजना का लेआउट तैयार किया गया था। पीडीए के अधिकारी इसी लेआउट में फेरबदल कर रहे हैं,. लेकिन काम शुरू करने की एनजीटी से हरी झंडी नहीं मिली। पीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. अमित पाल शर्मा भी कहते हैं कि आवास योजना का काम शुरू करने के लिए एनजीटी का आदेश और विभिन्न विभागों से एनओसी आवश्यक है। दोनों के बगैर आवास योजना का काम शुरू नहीं कर सकते।

ताला तोड़कर तोड़कर लगाया कटिया, बिजली गुल

प्रयागराज। लोक सेवा आयोग के सामने सोमवार शाम को एक ठेलिया वाले ने बिजली के खंभे के पास बने बॉक्स का ताला तोड़कर उसमें कटियामारी की जिससे शॉर्ट सर्किट होने से आसपास के घरों की बिजली गुल हो गई। एक अस्पताल में बिजली आपूर्ति बाधित होने पर लोग परेशान हो गए। लाइनमैन को कॉल करके बुलाया गया। जब लोग वहां पहुंचे तो पता चला कि ठेलिया वाले ने कटियामारी की थी। उसने बिजली के बॉक्स का ताला तोड़ दिया था और उसमें तार जोड़ा था जिससे शार्ट सर्किट होने से बिजली चली गई थी। लाइनमैन के पूछने पर वह एक पार्षद के नाम बताने लगा। इस मामले की एसडीओ सिविल लाइन्स से शिकायत की गई है। लाइनमैन ने तार जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल की।

नेशनल ट्रांसजेंडर अवार्ड, लीडरशिप कांक्लेव 29,30 को

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा की ओर से नेशनल ट्रांसजेंडर अवार्ड और लीडरशिप कांक्लेव 29 और 30 सितम्बर को नई दिल्ली में होगा। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन 29 सितंबर को नेशनल ट्रांसजेंडर अवार्ड और दूसरे दिन 30 सितंबर को लीडरशिप कांक्लेव का आयोजन सुबह 10.30 बजे से अपराह्न तीन बजे तक होगा। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत गायिका शुभा मुदगल, प्रसिद्ध आरजे मलिष्का शामिल होंगे।

जीएसटी 2.0: नवरात्र पर बाजारों में लौटी रौनक

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र का पहला दिन प्रयागराज की मंडियों और बाजारों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं रहा। एक ओर पर्व का पहला दिन था तो दूसरी ओर उसी सुबह से लागू हुआ जीएसटी 2.0। बाजार में कदम रखते ही ग्राहकों को हर जगह एक अलग ही हलचल और उत्साह दिखाई दिया। शोरूम में गाड़ियों की बुकिंग की भीड़, मेडिकल स्टोर पर राहत की सांस लेते मरीज, कपड़े–जूते के शोरूम पर पहुंचे ग्राहक और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर दाम पूछते परिवार। जीएसटी के नए स्लैब के लागू होते ही मॉल, शोरूम में तो सामानों की कीमतें तो कम हो गईं लेकिन मोहल्लों की दुकानों पर इसका असर नहीं दिखा।

गली और मोहल्लों में पुराने रेट ही सामान बिक रहे हैं। कहीं विरोध हुआ तो दुकानदारों ने साफ कहा कि नया माल आने पर दाम कम होगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर में रौनक, गाड़ियों की बुकिंग से शोरूम गुलजार प्रयागराज। नवरात्र का पहला दिन और नई जीएसटी दरें यह दोहरा संयोग ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं रहा। सुबह से ही शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से लोग बाइक व कार खरीदने पहुंचे। शोरूम में हालात मंडी जैसे हो गए। शोरूम संचालकों ने पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। ग्राहकों को केवल छूट ही नहीं, बल्कि उपहार और ऑफर भी दिए गए। जीएसटी की नई दरों के कारण कारों की कीमतों में 10 हजार से लेकर तीन लाख रुपये तक की कमी आई। इसके अलावा तीन और फायदे भी सीधे ग्राहकों तक पहुंचे। कम कीमत से आरटीओ पंजीकरण शुल्क घटा, बीमा भी कम हो गया। इससे कुल कीमत में काफी अंतर आया। शोरूम संचालकों के लिए यह इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि पिछले 20 दिनों से ऑटो मोबाइल सेक्टर में मंदी जैसी स्थिति बन गई थी। सोमवार को बाइक, स्कूटी, बुलेट, कार, एक्सयूवी और लग्जरी गाड़ियों के बिकने की संख्या सैकड़ों में थी। हर बाइक शोरूम में 10 से 15 गाड़ियां और कार शोरूम में पांच से छह गाड़ियां पहले दिन ही ग्राहक ले गए। इसके अलावा अभी बुकिंग जारी है। इनका कहना है जीएसटी कम होने के बाद से ही गाड़ी खरीदने का मन बना लिया था। नवरात्र के पहले दिन चौथी गाड़ी घर आई है।

मैं अपने दादा के साथ गाड़ी पसंद करके ले जा रहा हूं।–अनुराग शुक्ला, लालापुर ग्राहक –काफी दिनों से बाइक खरीदने की सोच रहा था लेकिन जीएसटी स्लैब बदलते ही नवरात्र के पहले दिन ही सपना पूरा हो गया। आसानी से किस्त पर बाइक मिल गई। इसके अलावा उपहार भी मिला है।–रंजीत, सिविल लाइंस ग्राहक –नए जीएसटी स्लैब से 50 हजार से एक लाख से अधिक की सीधी राहत मिली है। सुबह से ही ग्राहकों की लाइन लगी थी। नवरात्र के पहले दिन ही गाड़ियों की खूब ब्रिकी हुई।–पंकज श्रीवास्तव, जीएम किया शोरूम –दवा बाजार में राहत की सांस प्रयागराज। सोमवार सुबह जब मेडिकल स्टोर खुले तो मरीज और उनके परिजनों ने राहत महसूस की। नई जीएसटी दरों के बाद दवाओं की कीमतों में सीधी कमी आई है। शुगर, बीपी और हृदय रोग की दवाओं पर जीएसटी 12 से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया, जबकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दिया गया है। मेडिकल स्टोर पर पहुंचे लोग एक–एक महीने का स्टॉक खरीदते दिखे। शुगर और बीपी की नियमित दवा खाने वाले मोहन सिंह ने बताया कि एक महीने की दवा पर करीब 300 रुपये की बचत हुई। दवा व्यापारी निखिल मलंग ने बताया कि एंटीबायोटिक से लेकर बीपी–शुगर तक सभी दवाओं में 10 से 20 रुपये तक की कमी आई है। गले में खराश होने पर एज़िथ्रल (एंटीबायोटिक) की मांग ज्यादा होती है। यह दवा अब 134 की जगह 125 में बिक रही है। इसी तरह डोलो 650 एमजी 34 की जगह 32 रुपये, शुगर की जलरा एम 500 एमजी 338 की जगह 317 रुपये, बीपी की टेल्मा 40 एमजी 227 की जगह 212 रुपये, शुगर की ग्लाइकोमेट एसआर 500 एमजी 227 की जगह 212 रुपये, खांसी की कोडिस्टार 110 की जगह 103 रुपये हो गया है। इसके अलावा कैंसर की दवा और सर्जिकल उपकरणों में काफी कमी आई है। इनका कहना है जीएसटी 2.0 के तहत दवा पर लगने वाले टैक्स 12 व 18 प्रतिशत को पांच प्रतिशत के स्लैब में लाने से आमजन को इसका सीधा लाभ मिलने लगा है। देश के प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री को इसका आभार। पवन कुमार गुप्ता, सदस्य, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन –कपड़ा और जूता बाजाररू ब्रांडेड कंपनियों ने बदले दाम प्रयागराज। कपड़ा और जूता बाजार में जीएसटी का नया स्लैब तो लागू हो गया। शहर के बड़े शोरूम में ग्राहकों को ज्यादा फायदा नहीं दिखा, क्योंकि यह स्लैब 2500 से कम दाम पर लागू है। सोमवार को सिविल लाइंस, कटरा, चौक जैसे प्रमुख बाजारों में ग्राहकों को पांच प्रतिशत जीएसटी पर ही साड़ी व जींस व शर्ट की बिलिंग हो रही थी। दरअसल जीएसटी 2.0 में कपड़ा और फुटवियर 12 से घटाकर पांच प्रतिशत पर आ गया। खासकर 2500 रुपये तक के कपड़े और जूते–चप्पल अब कम दाम पर बिकने लगे हैं। ब्रांडेड कंपनियों ने दुकानदारों को सोमवार सुबह–सुबह मैसेज भेजकर नया स्लैब घटाने को कहा। दुकानदारों का कहना था कि भले ही उन्होंने माल 12 प्रतिशत जीएसटी में खरीदा लेकिन आईटीसी में उनका नुकसान पूरा हो जाएगा। कंपनियों ने जीएसटी कम होने पर अपना दाम कम कर दिया है, हालांकि एमआरपी वही है। सोमवार को कटरा के रोहन लाल ने 200 रुपये एमआरपी की चप्पल 144 रुपये में खरीदी। उसने बताया कि दुकानदार ने कहा कि जीएसटी के कारण सस्ता हुआ है। वहीं स्पोर्ट्स शूज 800 से 1999 रुपये में ज्यादा कंपनियों के दाम रखे हैं। अब ये 12 से पांच प्रतिशत जीएसटी पर बिकने लगे हैं। व्यापारी योगेश गोयल ने बताया कि नए एमआरपी आने से पहले ही दाम करके सामान बेचा जा रहा है। इनका कहना है सुबह से ही ब्रांडेड कंपनियों ने मैसेज करके दाम कम कर दिए। एक ब्रांडेड कंपनी ने 2500 से 3400 रुपये कीमत के सभी कपड़ों को पांच प्रतिशत के स्लैब में ला दिया। इससे कपड़े सस्ते हो गए हैं। पंकज श्रीवास्तव, व्यापारी –– इलेक्ट्रॉनिक्स में सिर्फ एलईडी और एसी सस्ते, बाकी पर ऑफर प्रयागराज। इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों में सोशल मीडिया पर फ्रिज और वाशिंग मशीन सस्ते होने की चर्चा थी, लेकिन सोमवार को दुकानों पर सिर्फ एसी और एलईडी के दामों में कमी देखी गई। दुकानदारों के मुताबिक इन्हीं पर जीएसटी स्लैब घटाया गया है। विंडो एसी 30,000 से घटकर 27,650 और स्प्लिट एसी 45,000 से घटकर 41,500 हो गया। 55 इंच की एलईडी टीवी 54,000 से घटकर 50,000 और 65 इंच की एलईडी 65,990 से 60 हजार रुपये में बिक रही थी। 32 इंच से अधिक की टीवी पर जीएसटी कम हुआ है। इनका कहना है एसी और एलईडी में दो से छह हजार रुपये तक की कमी आई है। बाकी उत्पादों पर कंपनियां अलग से ऑफर दे रही हैं। ग्राहकों को जीएसटी के नए स्लैब से सस्ती कीमतों पर सामान मिल रहा है। कृष्ण कुमार, व्यापारी –– राशन और रोजमर्रा का सामानरू ग्राहकों को झटका प्रयागराज। जहां शोरूम और दवा की दुकानों पर राहत दिखी, वहीं मोहल्ले की दुकानों पर सोमवार को निराशा मिली। ब्रेड, मक्खन, दूध, साबुन और सर्फ जैसे सामान पुराने दाम पर ही बिके। सिविल लाइंस, राजापुर, धूमनगंज और कटरा चौक में महिलाएं खरीदारी करने पहुंचीं तो दाम देखकर हैरान रह गईं। दुकानदारों ने साफ कहा कि जब तक नया स्टॉक नहीं आएगा, दाम कम नहीं होंगे। हालांकि शहर के बड़े स्टोर और शो रूम में नया स्लैब लागू दिखा। पुराने कीमत पर बिकने वाला सामान भी पांच प्रतिशत जीएसटी की बिलिंग के साथ कम कीमत पर बिक रहा था जबकि गलियों में फुटकर सामान पुरानी कीमत पर ही बिका। एक शोरूम में नेस्ले और गोदरेज के सेल्समैने पहुंचे और नई बिलिंग पर पांच प्रतिशत जीएसटी की व्यापारी को जानकारी दी। बताया कि कंपनी का निर्देश है कि वे पुराने माल भी दाम करके पांच प्रतिशत पर ही बेचे। इनका कहना है भले ही एमआरपी ज्यादा हो, लेकिन जहां कंपनी ने नए बिल दिए हैं, वहां पांच प्रतिशत जीएसटी में ही सामान बेचा जा रहा है। हर सामान की पांच प्रतिशत जीएसटी पर बिलिंग हो रही है। –सूरज, व्यापारी, सिविल लाइंस नया रेट अभी नहीं आया है। सोमवार को भी पुराने दाम पर सामान बिका है। नया माल आएगा तो दाम घटेंगे। आज से सेल्समैन नई बिलिंग शुरू किए हैं। अब कमी आएगी।– प्रशांत केसरवानी, व्यापारी राजापुर — जीएसटी के नए स्लैब का असर दिखने लगा है। आज मखाना 450 की जगह 400 रुपये में मिला। महीने का खर्च 10 हजार से घटकर आठ हजार होने की उम्मीद है।–राजेंद्र प्रताप सिंह, ग्राहक – नया प्राइस टैग आने के बाद ही असली राहत दिखेगी। अभी सामानों पर पुराना रेट लिखा है। पहले भी एमआरपी से कम पर सामान मिलता था। उम्मीद है सामान ज्यादा सस्ता होगा। प्रखर खरे, ग्राहक

पहले दिन 50 करोड़ से अधिक कारोबार

प्रयागराज। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) यूपी के अध्यक्ष महेंद्र गोयल की मानें तो नवरात्र के पहले दिन 50 करोड़ से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है। इस नवरात्र के दस दिन में 800 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस होगा। सोमवार को 300 से अधिक बाइक और 50 से अधिक कार की डिलिवरी हुई। इसके अलावा करीब 10 से 12 करोड़ इलेक्ट्रानिक सामानों की ब्रिकी हुई।

फाफामऊ पुल पर 30 के बाद चलेंगे भारी वाहन

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद सेतु (फाफामऊ पुल) से 30 सितंबर के बाद भारी वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। हालांकि 25 सितंबर से दोपहिया वाहनों के साथ चार पहिया गुजरने लगेंगे लेकिन बस व ट्रक जैसे भारी वाहनों के आवागमन से पहले पीडब्ल्यूडी के राष्ट्रीय मार्ग के अधिकारी चार दिनों तक एक्सपेंशन ज्वाइंट की स्थिति व उसकी मजबूती को देखेंगे ताकि भारी वाहनों के आवागमन से कोई दिक्कत ना होने पाए। खंड के सहायक अभियंता विशाल सेठ ने बताया कि फाफामऊ से शहर की ओर आने वाली लेन के ज्वाइंट पर कंक्रीट डालने का कार्य 21 सितंबर को पूरा किया गया था।

भारी वाहनों के आवागमन के लिए कम से कम सात दिनों की सीमा तय की गई है। सात दिनों में ज्वाइंट पूरी तरह से मजबूत हो जाएगा। लेकिन चार पहिया व दोपहिया जैसे हल्के वाहन आसानी से निकल सकते हैं। इसलिए 25 सितंबर से पुल हल्के वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। बता दें कि दस सितंबर से सात ज्वाइंट की मरम्मत का कार्य शुरू कराया गया था। पुल पर सवा सात मीटर चौड़ाई वाली दूसरी लेन पर 22 सितंबर से तराई का कार्य चल रहा है। जोकि विभाग की ओर से 24 सितंबर तक कराया जाएगा। खंड के अधिशासी अभियंता रविंद्र पाल सिंह ने बताया कि 25 से हल्के और 30 सितंबर के बाद भारी वाहनों के लिए पुल खोलने की तैयारी की गई है।

डशेरवानी लिगेसी परिसर में होगा द्वितीय विशाल दुर्गापूजा महोत्सव

प्रयागराज। शेरावाली वेलफेयर सोसाइटी एवं शेरवानी लिगेसी परिवार द्वारा इस वर्ष द्वितीय विशाल दुर्गापूजा का आयोजन बड़े ही धूमधाम से 27 सितम्बर से दो अक्टूबर तक सुलेमसराय स्थित शेरवानी लिगेसी परिसर में किया जाएगा। आयोजन समिति ने कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा घोषित कर दी है। 27 सितम्बर को मां दुर्गा की प्रतिमा का आगमन होगा और रात्रि आठ बजे प्रसिद्ध भजन गायक सुदीप तिवारी अपनी मधुर भजन संध्या से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। 28 सितम्बर को सायं काल प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा, जिसके बाद कालोनी के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। 29 सितम्बर को रात्रि 8 बजे भव्य माता की चौकी का आयोजन होगा। 30 सितम्बर को पुनः बच्चों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। एक अक्टूबर को विशाल भंडारे के साथ–साथ डांडिया नृत्य का आयोजन किया जाएगा, जबकि 2 अक्टूबर को दोपहर में मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन संपन्न होगा। पूरे महोत्सव के दौरान कालोनी के बच्चों के बौद्धिक और रचनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगीरू वाद–विवाद प्रतियोगिता रू 28 सितम्बर, अपराह्न 3 बजे (कक्षा 5 से 8 एवं 9 से 12) कला प्रतियोगिता रू 29 सितम्बर, अपराह्न 3 बजे (सभी आयु वर्ग) निबंध प्रतियोगिता रू 30 सितम्बर, अपराह्न 3 बजे (कक्षा 5 से 8 एवं 9 से 12) फ़ैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता रू 30 सितम्बर, अपराह्न 4 बजे (सभी आयु वर्ग) क्राफ्ट प्रतियोगिता रू 1 अक्टूबर, अपराह्न 3 बजे (सभी आयु वर्ग) इसके अतिरिक्त, कालोनी के होनहार छात्र–छात्राओं को सम्मानित करने के लिए "प्रतिभा सम्मान समारोह" भी आयोजित किया जाएगा। पूरे कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष केके राव, उपाध्यक्ष आदेश कुमार, प्रभात कुमार राय, प्रो. शैलेन्द्र राय, संध्या सिंह, भवेश राय, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र मिश्रा, सचिव अरविंद केशरवानी सहित अनिल गोयल, अजय सारस्वत, मनोज राठौर, आभा राय, संतोष पांडेय, सुशील कुमार सिंह, शालिनी सारस्वत एवं कॉलोनी के सभी निवासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

जनता को फायदा नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

प्रयागराज। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर तथा उत्पाद शुल्क आयुक्तालय की ओर से प्रेस नोट जारी करके बताया गया कि जीएसटी 2.0 में 12 व 28 प्रतिशत जीएसटी का स्लैब खत्म कर दिया गया है। किसानों, ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए खुशखबरी है। जीएसटी पर सरकारी की निगरानी चल रही है। टैक्स कटौती का फायदा जनता को देना होगा। जो नहीं देंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नौ करोड़ का गेस्ट हाउस अब बनेगा होटल

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान वीवीआईपी के लिए बनाया गेस्ट हाउस का अब होटल के तौर पर संचालन होगा। गेस्ट हाउस में किराए पर कमरा मिलेगा। इस होटल का प्राइवेट संस्था संचालन करेगी। गेस्ट हाउस को प्राइवेट संस्था को देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए नगर निगम ने निविदा के जरिए संस्थाओं को आमंत्रित किया है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने महाकुम्भ के पहले जवाहर लाल नेहरू रोड पर नौ करोड़ खर्च कर वीवीआईपी गेस्ट हाउस का निर्माण कराया था। गेस्ट हाउस में 10 कमरे, चार सुइट, लाइब्रेरी, हाल, कैफेटेरिया है। महाकुम्भ के समय संगम में डुबकी लगाने प्रयागराज आए तमाम वीवीआईपी इसी गेस्ट हाउस में ठहरे थे। महाकुम्भ समापन के पश्चात प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने गेस्ट हाउस नगर निगम को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया। हालांकि अभी तक हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, लेकिन नगर निगम ने इसे निजी संस्था को देने का निर्णय लेते हुए निविदा निकाल दी। होटल से नगर निगम की भी सालाना मोटी कमाई होगी। गेस्ट हाउस का निर्माण करने वाली जल निगम की इकाई सीएंडडीएस के परियोजना प्रबंधक रोहित राणा ने बताया कि गेस्ट हाउस में मिनी होटल की सभी सुविधा उपलब्ध है। परियोजना प्रबंधक के मुताबिक गेस्ट हाउस की योजना बनी तो इसका बजट 4.9 करोड़ रुपये था, जो बाद में बढ़कर 9.2 करोड़ हो गया।

2829 गरीबों को चाहिए घर, 1300 के पास जमीन नहीं

प्रयागराज। बेघर लोगों को आवास देने के लिए कराए गए सर्वे के बाद जिले में 2829 लोग ऐसे मिले जिन्हें आवास की जरूरत है। इसमें भी 1339 लोग ऐसे हैं, जिनके पास जमीन नहीं है। अब इन लोगों को घर देने में परेशानी हो रही है, जिसके लिए जिले से प्रस्ताव भेजा गया है।

शासन से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद अब अलग से व्यवस्था की जाएगी। पिछले दिनों जीरो पावर्टी योजना के लिए सर्वे कराया गया। जिसमें योजना के तहत 2829 लोग ऐसे मिले जिनके पास आवास नहीं था। नियमानुसार जिनके पास जमीन होती है और घर नहीं होता, उन्हें आवास के लिए सरकार एक लाख 20 हजार रुपये देती है।

जिनके पास जमीन नहीं है, उनके लिए राशि का प्रावधान नहीं है। शहरी क्षेत्र में ऐसे लोगों के लिए आवासीय योजना में गलत तरीके से रह रहे लोगों को खाली कराकर वास्तविक लोगों बसाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा प्रावधान नहीं है। सीडीओ के सामने यह समस्या आई तो उन्होंने शासन को पत्र भेजने का निर्देश दिया, जिसमें गरीबों को सरकारी खाली पड़ी जमीनों पर आवास दिया जा सके या फिर किसी निधि से एक आश्रय घर बनाकर दिया जाए, जिससे ऐसे लोगों को रहने की समस्या न हो।

मथुरा में साइन पैथ लेब का हुआ उद्घाटन

मथुरा। बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के निकट सोमवार को साइन पैथ लेब का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी, बलदेव नेहा रावत ने किया। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि लैब आधुनिक मशीनों से सुसज्जित है जो जांच

में सही बीमारी का पता लगाने में सहायक होगी। मैनेजर वीरेन्द्र चौधरी ने बताया कि हर तरह की जांच साइन पैथ लेब में उपलब्ध है जिसमें गरीबों को विशेष छूट प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में सभी अतिथियों का पटुका और तस्वीर देकर सम्मान किया गया इस दौरान दिनेश तिवारी, योगेश तिवारी,भगत सिंह, सुनील तिवारी, पृथ्वी सिंह, भगवान सिंह,अजय फौजदार, कपिल सिंह, इंद्र सिंह, खान सिंह, ललित चौधरी, समीर खान, कृष्ण मुरारी शर्मा, बच्चू सिंह, जगदीश चौधरी, छत्तर सिंह, देवो,मदन, पुष्पेंद्र आदि मौजूद रहे।

हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज को चल वैजयंती पुरस्कार

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर), प्रयागराज को हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय–1), इलाहाबाद द्वारा चल वैजयंती के तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कोर कार्यालय की ओर से डॉ. श्री संजय सिंह नेगी, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने दिनांक 23/09/2025 को आयकर कार्यालय में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में यह पुरस्कार ग्रहण किया।

निशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन

मुजफ्फरनगर। भारत विकास परिषद् मुजफ्फरनगर 'समृद्धि' शाखा द्वारा सत्र 2025–2026 में स्थाई प्रकल्प के रूप में एनीमिया से बचाव के लिए दवाई वितरण एवं बच्चों के लिए ग्राइप वाटर का वितरण निरंतर प्रत्येक मंगलवार को डॉ धर्मेंद्र सिंह जी के सहयोग से डॉ तिमराज सिंह क्लीनिक ,गांधी कॉलोनी मुज़फ्फरनगर पर किया जाता है। जिसका लाभ प्रति सप्ताह लगभग 100 महिलाएं एवं बच्चे ले रहे हैं। क्योंकि यह

प्रकल्प हमारी महिला सहभागिता श्रीमतीं रुचि गुप्ता जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसको देखते हुए आज हमने (समृद्धि शाखा) डॉ धर्मेंद्र जी के सहयोग और आरोग्य पैथोलॉजी लैब संचालक डॉ अनिल कुमार जी के नेतृत्व में 22 सितंबर 2025 दिन सोमवार को एनीमिया और शुगर से बचाव के लिए एक निःशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 70 व्यक्तियों (महिला–पुरुष) की रक्त जांच के नमूने संग्रह किए गए, शिविर में शाखा संरक्षक विनोद संगल द्वारा डॉक्टर अनिल कुमार जी को पटका पहनाकर और उपहार देकर सम्मानित किया गया, डॉ अनिल कुमार जी द्वारा शिविर में आए हुए रक्त जांच के लाभार्थियों को समय–समय पर रक्त जांच कराने के लाभ के बारे में बताया गया और कहा कि कल मंगलवार 23 सितंबर को दवाई वितरण के समय सभी लाभार्थी अपनी जांच की रिपोर्ट डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह से प्राप्त कर लें कार्यक्रम में शाखा से अरुण खंडेलवाल,विनोद संगल,स्थाई प्रकल्प कार्यक्रम चेयरमैन श्री मनोज तायल, डॉ धर्मेंद्र सिंह,पंकज बंसल,अनिकेत मित्तल शाखा सचिव शरद ऐरन जी रहे अंत में शाखा सचिव शरद ऐरन ने कहा समाज 'सेवा करने के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं होती बस सच्चा दिल और सेवा करने का जुनून होना चाहिए' और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह जी और डॉक्टर अनिल कुमार जी और समृद्धि परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मण्डल के निम्न लिखित खण्डों पर शिरोपरि कर्षण तार को खण्ड में विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद 25 किलो वोल्ट, 50 हर्ट्ज ए.सी. द्वारा ऊर्जित किया जायेगा उस तारीख और उस तारीख के बाद से शिरोपरि कर्षण लाइन को हर समय विद्युतमय माना जायेगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति शिरोपरि लाइन के सामीप्य में दाखिल या काम नहीं करेगा।

उर्जित करने की तारीख : 25.02.2025

खण्ड	किमी./चैनेज	
	से	तक
खण्ड : उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मण्डल के बरुआ सागर-निवाड़ी-टेहरका खण्डों पर नयी दोहरी लाइन ओ0 एच0 ई0 को 25 के. वी. ए. सी.50 हर्ट्ज के सिंगल फेस से उर्जित करने के लिये	Km. 1148.295 (OHE Km. 1148/16)	Km. 1170.693 (OHE Km. 1170/30)

305/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सीएमपी डिग्री कालेज के हिंदी विभाग में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित

प्रयागराज। सी एम पी डिग्री कॉलेज हिंदी विभाग प्रयागराज द्वारा 'राजभाषा हिंदी पखवाड़ा' कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरेंद्र प्रताप सिंह, संयुक्त निदेशक, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, नई दिल्ली थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्रो संतोष भदौरिया कर रहे थे।

कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत प्रो सरोज सिंह एवं प्रो आभा त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में आए हुए वक्ताओं का स्वागत वक्तव्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रो सरोज सिंह ने प्रस्तुत किया।

अपने वक्तव्य में हरेंद्र प्रताप सिंह ने 'हिंदी में रोजगार एवं हिंदी पखवाड़े की प्रासंगिकता' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने हिंदी अधिकारी, अनुवादक, सहायक अनुवादक के चयन प्रक्रिया और उनसे संबंधित विविध रोजगार के प्रकार पर बात की।

उन्होंने बताया कि हिंदी में आज के समय में रोजगार के विविध अवसर मौजूद है जिसके लिए हिंदी के प्रति अपने लगाव को रोजगार के लिए मोड़ना होगा।

प्रो संतोष भदौरिया ने हिंदी भाषा के संदर्भ में बताया कि हिंदी को बचाने जैसा मामला है ही नहीं। वह अपने गति से आगे बढ़ रही है और उसका रूप निरंतर विकसित होता आ रहा है। उन्होंने हिंदी में गंभीर शोध की मांग को रेखांकित किया और बताया कि इस संदर्भ

में और मेहनत से काम किए जाने की जरूरत है। फ्रांचेस्का आरसीनी और एलीशन बुश के किए काम का हवाला देते हुए उन्होंने अपनी बात रखी।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. गणेशन मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर हिंदी पखवाड़े के अवसर पर आयोजित विविध प्रतियोगिता के पुरस्कार घोषित किए गए।

आशुभाषण प्रतियोगिता में शालिनी अग्निहोली– प्रथम, विशाल कुमार राज ने द्वितीय, सुशांत वर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता में हर्षिता श्रीवास्तव पहला आदर्श यादव दूसरा जबकि मोहित राय मिश्रा एवं सुशांत वर्मा–तीसरा स्थान पर रहे।

काव्य–पाठ में अनुराग पटेल ने पहला हर्षिता श्रीवास्तव ने दूसरा गुलशन अवस्थी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

लोकगीत में अतुल ने पहला हर्षिता ने दूसरा तथा नीलम कुशवाह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

निबंध लेखन में सृष्टि प्रयाग ने पहला अमिता ने दूसरा नीलम कुशवाहा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया इसके अलावा विविध आयोजनों में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले यथा तनु निषाद,श्रेया गुप्ता, बिनीता गौड़,काजल, नैतिक, श्रेया मिश्रा, जनमेजय मालवीय, प्रतिभा सिंह प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

हिन्दी विवाद का नहीं, वाद का विषय हैश पर नुक्कड़ नाटक के प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रो सरोज सिंह प्रो आभा त्रिपाठी प्रो दीनानाथ , प्रो एस पी सिंह के अलावा डॉ रंजीत सिंह, डॉ.प्रेमशंकर डॉ रामानुज यादव, डॉ पूजा गौड़, डॉ प्रियंका गौड़, डॉ भारती कोरी, डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ पवन, डॉ अखिलेश यादव के अलावा विभाग के शोधार्थी एवं छात्र मौजूद थे।

लोकपाल समाज शेखर ने रामपुर बावली का व्यापक भ्रमण पंचायत कर्मियों संग किया

ग्राम में बिखरे मिले पुरावशेष, बावली का अस्तित्व खतरे में जंगल में दिखा सन् 1701 का शिलालेख

जिलाधिकारी को सर्वे व संरक्षण हेतु संस्तुति करने का लिया निर्णय

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने रामपुर बावली ग्राम पंचायत का व्यापक भ्रमण किया। अति प्राचीन जल संरचना बावली का अस्तित्व खतरे में दिखाई पड़ा। ग्राम भ्रमण के दौरान ग्राम में रामपुर राज्य के समृद्ध होने के पुरावशेष बिखरे मिले। गाँव की सीमा के दक्षिणी क्षोर पर स्थित जंगल में कुछ विशिष्ट समाधियाँ व सन् 1701 का शिलालेख दिखाई पड़ा. लोकपाल ने जिलाधिकारी महोदय से इस महत्वपूर्ण ग्राम का सर्वे कराके समग्र विकास कराये जाने की अपेक्षा की।

लोकपाल समाज शेखर ग्राम पंचायत कर्मियों के साथ ग्राम स्थित प्राचीन बावली व अन्य सार्वजनिक स्थलों का व्यापक भ्रमण किया। बावली की वर्तमान दशा देखकर लोकपाल ने दुख व्यक्त करते हुए आस पास के लोगो से इस अदभुत संरचना को बचाने में अपनी भूमिका निभाने की अपील की. ग्रामीणों ने बताया की बावली 5 बीघा तालाब के रूप में दर्ज है वहीं इसके ठीक

पीछे १ बीघा का देव स्थान दर्ज है। लोकपाल ने लेखपाल से वार्ता कर ग्राम सचिव को राजस्व विभाग से जानकारी लेकर नक्शा सहित विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ की स्थल के विकास हेतु समन्वय स्थापित कर समग्र प्रयास किये जाने का सुझाव दिया।

वहीं लोकपाल ने जंगल में मिले शिलालेख से मुख्य जानकारी पाई की इसमें पवित्र श्ओमश प्रतीक शिलालेख के शीर्ष पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। शिलालेख में ष्नाग पंचमीष का उल्लेख है और एक ऐतिहासिक काल, ष्संवत 1758 विक्रमष (1758 विक्रम संवत) को संदर्भित करता है, जो 1701 ईस्वी से मेल खाता है। शिला पाठ में ष्नृप हरिवंश स्ववंशछलष और ष्रामपुराधीश विसेन बंशभूषण श्रीमान राय राधो हरिवंश सिंह जू देव सदा समर विजमिष का उल्लेख है, जो हरिवंश सिंह और उनके वंश नामक एक शासक या महत्वपूर्ण व्यक्ति के संदर्भ का संकेत देता है।शिलालेख में पांच पुत्रों का भी उल्लेख है जिसमे ष्लाल जय सिंह,ष ष्राज सिंहष, ष मदन सिंह ष्अमर सिंह,ष और एक अन्य शामिल है।

लोकपाल सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने जनपद की महत्वपूर्ण जल संरचना रामपुर बावली व प्राचीन रामपुर रियासत के पुरावशेषों के संरक्षण व ग्राम के सार्वजनिक व प्राकृतिक स्थलों के समग्र विकास हेतु सर्वे कराके महत्वपूर्ण योगदान हेतु जिलाधिकारी महोदय को अपनी संस्तुति भेजने का निर्णय लिया। इस दौरान ग्राम पंचायत कर्मी व गण मान्य नागरिक शामिल रहे।

राजेश की परिकल्पना एकल कला प्रदर्शनीक का मा. न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने किया भव्य उद्घाटन

कैटलाग राजेश की परिकल्पना तथा क्रोमैटिक रियल्म का लोकार्पण न्यायमूर्ति द्वारा, कलाकार डा सचिन सैनी, कुलदीप वर्मा, ज्योति सैनी, राजेश निषाद व सरवन कुमार को न्यायमूर्ति ने कला-रत्न सम्मान से नवाजा

प्रयागराज। अद्भुत कलाकृतियों के अद्भुत रचनाकार राजेश निषाद की पांच दिवसीय एकल कला प्रदर्शनी 'राजेश की परिकल्पना' का भव्य उद्घाटन, गांधी कला वीथिका उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज में सोमवार को चित्रकला और साहित्य के प्रकांड विद्वान माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने दीप प्रज्वलित कर भगवान गणेश की मूर्ति पर माल्यार्पण करके तथा फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया तथा कृतियों का रसास्वादन करते हुए कहा कि महान आधुनिक कलाकार पिकासो अभी राजेश निषाद के रूप में जिंदा है तथा अद्भुत कलाकार राजेश निषाद भारतीय आधुनिक कला के सशक्त हस्ताक्षर हैं। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ अंगवस्त्र भव्य ट्रॉफी से कलाकार राजेश निषाद ने सम्मानित किया। प्रदर्शनी संयोजक कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा निदेशक नारायण आर्ट अकादमी ने बताया कि प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के पांच विख्यात् कलाकारों को कला–रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया , जिसमें प्रयागराज से डॉ सचिन सैनी कला–आचार्य इलाहाबाद विश्वविद्यालय, बरेली से कुलदीप वर्मा निदेशक–अंतरराष्ट्रीय कलारत्नम् फाउंडेशन ऑफ आर्ट सोसाइटी, लखनऊ से ज्योति सैनी सिद्दीकी निदेशक ज्योति कृति कला संस्थान तथा कानपुर के कलाकार राजेश निषाद व सरवन कुमार को कला– रत्न सम्मान, अंगवस्त्र और भव्य ट्रॉफी से मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति ने सम्मानित किया। इस प्रदर्शनी के कैटलाग राजेश की परिकल्पना तथा कलाकार ज्योति सैनी सिद्दीकी द्वारा अमेरिका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी क्रोमेटिक रियल्म के कैटलॉग का लोकार्पण माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण के कर–कमलो से हुआ। कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मूर्तिकला के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सौमिक नंदी, वरिष्ठ कलाकारों में आशुतोष त्रिपाठी,नागेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, कसीम फारुकी, फिजिशियन डॉ एस के यादव, युवा कलाकारों में शुभम कुशवाहा, सर्वेश पटेल, राजाधिराज, बबलू तथा विश्वविद्यालय के युवा कलाकारों, छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शनी का रसास्वादन कर कलाकार के अनुपम कृतियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। प्रदर्शनी 26 सितंबर तक दर्शकों के अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

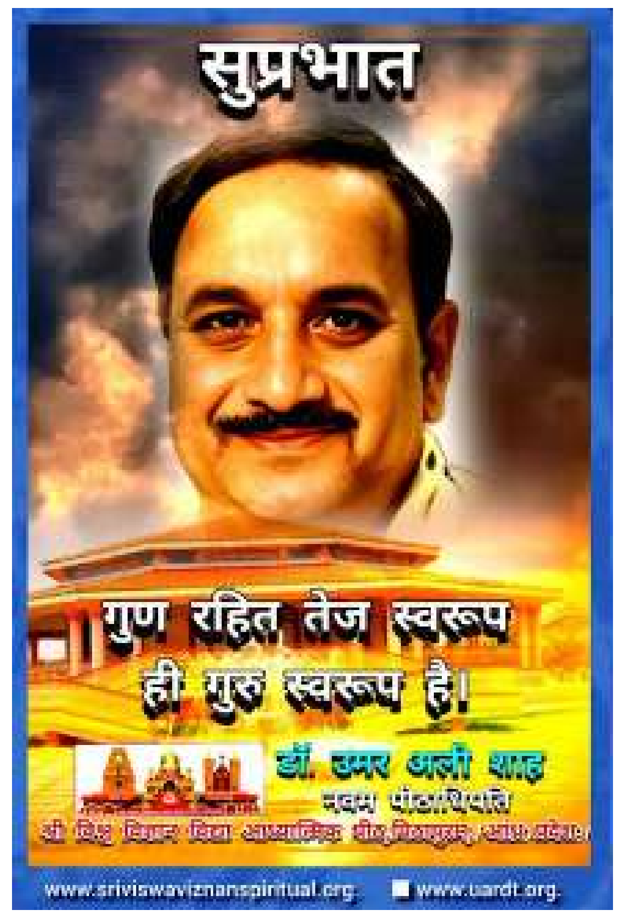

खिलती है जब चाँदनी

(कुण्डलिया)

आनन्दित मन को करे, तारों–सा धर रूप।
खिलती है जब चाँदनी, लगती बहुत अनूप।
लगती बहुत अनूप, श्वेत पंखुरियाँ प्यारी।
मद्धिम मीठी महक, मोहती दुनिया सारी।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी को कर आकर्षित।
हरि चरणों में बैठ, करे हरि को आनन्दित।।

उजली उजली 'चाँदनीश, जैसे दुग्ध सफेद।
सुन्दरता के साथ में, रही बिखेर नवेद।
रही बिखेर नवेद, वायु को निर्मल करके।
रोगों की बन दवा,साथ रहती है सबके।
सुन लो कहें प्रदीप, घनी पत्तियों की टहनी।
जिसके ऊपर खिले, चाँदनी उजली उजली।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जीएसटी रिफर्म जागरुकता अभियान के अंतर्गत हलवासिया मार्केट में आयोजित हुआ व्यापारी संवाद कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने जी एस टी रिफर्म जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजधानी लखनऊ में हलवासिया मार्केट हजरतगंज मे उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में आयोजित ष्यापारी संवाद कार्यक्रम में जीएसटी सुधार के अंतर्गत घटी दर को लेकर चर्चा की तथा उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ हलवासिया मार्केट में पैदल चलकर दुकान दुकान जाकर व्यापारियों व ग्राहकों से जीएसटी सुधारों पर प्रतिक्रिया जानी।

उन्होंने कारोबारियों से आग्रह किया कि जीएसटी का लाभ ग्राहकों को अवश्य प्रदान करें तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावे के लिए प्रतिष्ठानो परष् हम सबने ये ठाना है, भारत को आत्मनिर्भर बनाना है ष्हर घर स्वदेशी –घर घर स्वदेशीष्क्रम जीएसटी का लाभ उठाओ– स्वदेशी उत्पाद घर लाओघटी जीएसटी, मिला उपहार धन्यवाद मोदी सरकार के स्टीकर चिपकाएतथा व्यापारियों एवं ग्राहकों को गुलाब के फूल वितरित किए व्यापारी संवाद कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा ने कहा व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी है तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने मे सबसे प्रमुख भूमिका रहती है।

उन्होंने कहा जी एस टी रिफॉर्म के अन्तर्गत मुख्य रूप से दो स्लैब किये जाने का लाभ सीधे तौर से देश के सभी नागरिकों को मिलेगा रसोई एवं रोजमर्रा कि वस्तुएं सस्ती होने से सभी परिवारको कुछ ना कुछ बचत होगी।

उन्होंने कहा दैनिक वस्तुओं के खर्च में लगभग 13: की बचत होगी जिससे लोगों की क्रय क्षमता बढ़ेगी तथा व्यापार एवं उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा नवरात्रि एवं दीपावली के अवसर पर जीएसटी की दरें घटाए जाने से इस वर्ष त्योहारी सीजन में पिछले वर्ष की तुलना में 40: से 50: तक व्यापार में ग्रोथ होने की उम्मीद है।

पूजा विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मालदा टाउन-आनंद विहार (ट.) पूजा विशेष साप्ताहिक रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 03435/03436 मालदा टाउन-आनंद विहार (ट.)-मालदा टाउन साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

03435 मालदा टाउन-आनंद विहार (ट.)			03436 आनंद विहार (ट.)-मालदा टाउन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	09:30	मालदा टाउन	21:05	--
01:50	01:55	प्रयागराज	05:00	05:05
06:05	06:10	गोविंदपुरी	02:00	02:05
09:30	09:32	टूण्डला जं.	19:35	19:37
13:40	--	आनंद विहार (ट.)	--	15:45

मालदा टाउन से- गाड़ी सं. 03435, सोमवार, दिनांक 29.09.2025, 06.10.2025, 13.10.2025, 20.10.2025, 27.10.2025, 03.11.2025, 10.11.2025, 17.11.2025 एवं 24.11.2025 आनंद विहार (ट.) से- गाड़ी सं. 03436, मंगलवार, दिनांक 30.09.2025, 07.10.2025, 14.10.2025, 21.10.2025, 28.10.2025, 04.11.2025, 11.11.2025, 18.11.2025 एवं 25.11.2025 संरचनाः वाता. द्वितीय श्रेणी-02, वाता. तृतीय श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-04

ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1732/25 FA

सम्पादकीय........

नवरात्र की शक्ति

रविवार को हमने अमावस्या पर पितृ–विसर्जन के जरिये हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले पुरखों को पुण्य स्मरण कर विदा किया। सोमवार का सूरज नवरात्र की बहुआयामी शक्ति से पूरे देश में आस्था का उल्लास और उमंग भर रहा है। नवरात्र के साथ ही देश में पर्व–त्योहारों की ऐसी शृंखला शुरू हो जाती है, जो जनमानस के तन–मन को ही नहीं, देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई दे जाती है। ऐसे वक्त में जब देश अमेरिका के टैरिफ आतंक से जूझ रहा है, स्वदेशी का मंत्र हमारी आर्थिक व राष्ट्रीय संप्रभुता का संरक्षक बन सकता है। निस्संदेह, दूसरे देशों पर हमारी आर्थिक निर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी दुश्मन है। ये विदेशी का मोह, कहीं न कहीं राष्ट्रीय सरोकारों से हमारे विमुख होने का पर्याय भी है। देश में आर्थिक संपन्नता आई तो साथ ही विदेशी वस्तुओं को सम्मोहन भी बढ़ा है। हम स्वदेशी के उस मंत्र को भूल गए, जिसने परतंत्र भारत को आजाद कराने व ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। नवरात्र का पर्व व्रत और शक्ति की आराधना का पर्व है। ऐसी शक्ति जिससे राष्ट्र, समाज व व्यक्ति का कल्याण हो सके। ऐसे वक्त में जब लगातार भारत विरोधी कदम उठा रही ट्रंप सरकार ने भारतीय प्रतिभाओं पर अंकुश लगाने के लिये एच–1 बी वीजा को अस्त्र बनाया है, हमें अपनी प्रतिभाओं को देश में सहेजने का प्रयास करना चाहिए। देश के नीति–नियंताओं को मंथन करना होगा कि अमेरिका के लिये महकने वाली प्रतिभाएं देश को क्यों नहीं महका सकती? यह अच्छी बात है कि नवरात्र पर्व की शुरुआत जीएसटी सुधारों के साथ हो रही है। अब तक दैनिक उपभोग की वस्तुओं व दवाओं आदि पर अतार्किक शुल्क लगाया गया था। जिसे बहुत पहले ही सुधार लिया जाना चाहिए था। देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर कहा जा सकता है कि अब लोगों की बचत बढ़ेगी। बचत बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और बाजार को गति मिलेगी। कुल मिलाकर स्वदेशी अर्थव्यवस्था गतिमान होगी, भारतीय–उद्योग धंधों को संबल मिलेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। निस्संदेह, जीएसटी दरों में कमी और पर्व–त्योहारों के इस मौसम में देश के असंगठित क्षेत्र को शक्ति मिलेगी, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत भी है। नवरात्र के व्रत का पहला संकल्प हमारी आस्था और सेहत से है। देश आज मोटापे और उससे उत्पन्न गैर संक्रामक रोग मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदयाघात से जूझ रहा है। इस नवरात्र के दौरान हम अपने खानपान को संयमित करके आस्था के संबल के साथ अपनी सेहत में सुधार कर सकते हैं। हमारे पर्व–त्योहार गहरे तक हमारे व्यावहारिक जीवन से जुड़े हैं। उनके गहरे निहितार्थों को समझने की जरूरत है। ये पर्व व त्योहार महज कर्मकांड ही नहीं है, इसके व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था के लिये गहरे संदेश हैं। इस तरह नवरात्र बेटियों को शक्तिशाली बनाने, लैंगिक भेदभाव खत्म करने और समाज में तनाव–अवसाद दूर करके व्यक्ति और समाज को स्वस्थ बनाने का पर्व है। हमें पर्व के मर्म को समझना है।

ट्रंप का एक और झटका

डॉ. दीपक पाचपोर

अगर आपको किसी को प्रशिक्षित करना है, तो आपको हमारे देश के बेहतरीन विश्वविद्यालयों से हाल ही में उत्तीर्ण हुए ग्रेजुएट को प्रशिक्षित करना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री एक–दूसरे के गहरे मित्र होने का दावा करते हैं, हालांकि उनकी दोस्ती कई नेताओं को समझ नहीं पड़ती और भारत में भी इस पर सवाल उठते हैं। दोनों के बीच सम्मान और दोस्ती का रिश्ता कितना गहरा है, यह तो वे ही सही–सही बता सकते हैं, लेकिन एक बात तय है कि सरकार चलाने के तौर–तरीके, लच्छेदार बातें और राष्ट्रवाद को राजनीति का केंद्र बनाना, इन सब में दोनों में जबरदस्त सामंजस्य दिखता है। शनिवार को जब नरेन्द्र मोदी गुजरात में आत्मनिर्भरता का पाठ देश को पढ़ा रहे थे और कह रहे थे कि हमारी सबसे बड़ी कमजोरी दूसरे देशों पर निर्भरता है। उसी वक्त ट्रंप सरकार अमेरिका फर्स्ट के नारे को बुलंद करते हुए एच–1 बी वीजा पर 1 लाख डॉलर (करीब 88 लाख) की फीस लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि यह अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा करने, वीजा सिस्टम के गलत इस्तेमाल को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि केवल सबसे कुशल और सबसे अधिक वेतन पाने वाले विदेशी पेशेवर ही योग्य हों। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा है, अगर आपको किसी को प्रशिक्षित करना है, तो आपको हमारे देश के बेहतरीन विश्वविद्यालयों से हाल ही में उत्तीर्ण हुए ग्रेजुएट को प्रशिक्षित करना चाहिए। अमेरिकियों को प्रशिक्षित करो। बाहर से लोगों को लाकर हमारी नौकरियां छीनना बंद करो। व्हाइट हाउस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है और कहा है कि संवेदनशील उद्योगों में विदेशी श्रमिकों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता अमेरिका की क्षमता को कमजोर करती है।फिलहाल भारत का विदेश मंत्रालय इस फैसले की समीक्षा कर रहा है, हालांकि इससे ज्यादा कुछ करने की स्थिति में वह है भी नहीं। क्योंकि मोदी सरकार की विदेश नीति इतनी कमजोर हो चुकी है कि ट्रंप अब चाहे भारत का अपमान कर सकते हैं। वे जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी चुप ही रहेंगे। लेकिन नरेन्द्र मोदी खुद जितना आत्मनिर्भर होने, मेक इन इंडिया आदि की बातें करते हैं, और विदेश सामान खरीदने की आदत छोड़ने की बात कहते हैं, वे भी संभवतः इस फैसले से निजी हैसियत में सहमत ही होंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो उनका कोई प्रतिवाद सामने नहीं आया है। अलबत्ता देश में इस पर हलचल मच गई है। खासकर आई टी इंडस्ट्री अब सोच में पड़ गई है कि कैसे इस चुनौती का सामना करे। बता दें कि अमेरिका में एच 1 बी वीजा धारकों में भारतीयों की हिस्सेदारी 70 फीसदी से ज्यादा है, ऐसे में वीजा नियमों में बदलाव का सीधा असर भारत के टेक सेक्टर और प्रोफेशनल्स पर पड़ने वाला है। इसके अलावा विश्वविद्यालय में शोध करने पहुंचे भारतीय शोधकर्ताओं को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिकी कंपनियां विदेशों से टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, फाइनेंस और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाशाली पेशेवरों को नौकरी पर रखती हैं। इनमें सबसे ज्यादा भारतीय नौकरी करते हैं। देश में इसी ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन पर बरसों से चिंता जताई गई, लेकिन ऐसा माहौल नहीं बना कि अच्छी नौकरी, बेहतर कार्य संस्कृति, अच्छा वेतन सब देश में ही उपलब्ध हो। लिहाजा लाखों भारतीय अमेरिका जाकर ही जीवन सुधारने के सपने देखते रहे। खुद नरेन्द्र मोदी ने 2014 में कहा था कि मेरा सपना है कि ऐसा भारत बने जिसमें अमेरिकियों को वीजा की लाइन में लगना पड़े। समय के साथ ये भी मोदीजी का एक और जुमला ही साबित हुआ। अब लाखों परिवार जब इस चिंता में हैं कि अमेरिका में रहें या नहीं, भविष्य में क्या और सख्ती बरती जाएगी, देश लौटेंगे तब नौकरी, पढ़ाई, की क्या सुविधा रहेगी, इन सब को नजरंदाज करते हुए मोदी चुप हैं। इस वीजा नियम के 21 सितंबर को लागू होने से पहले ही कई उलझनें सामने आईं, जिन पर ट्रंप प्रशासन ने साफ किया है कि अमेरिकी कंपनियों को किसी विदेशी कर्मचारी के लिए हर नए एच–1बी आवेदन पर एक लाख डॉलर का शुल्क अदा करना होगा। जो भारतीय पहले से एच–1 बी वीजा पर काम कर रहे हैं, उन पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन नौकरी के नए अवसर तलाश रहे लोगों के लिए यह नई और एक बड़ा बाधा है। व्हाइट हाउस के मुताबिक यह फीस मौजूदा वीजा धारकों पर लागू नहीं होगी। नवीनीकरण पर भी यह शुल्क लागू नहीं है, बल्कि सिर्फ नए आवेदनों और आगामी लॉटरी साइकिल पर लागू होगा। हालांकि इस स्पष्टीकरण के बाद भी अफरातफरी मची। सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ वीजाधारकों ने डर के चलते अमेरिका जाने वाली फ्लाइट छोड़ दी। वहीं दिल्ली से न्यूयॉर्क की सीधी उड़ानों के टिकट की कीमत महज दो घंटे में 37,000 से बढ़कर 70,000–80,000 तक पहुंच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने विदेश में मौजूद अपने एच–1बी स्टाफ को सलाह दी है, जल्दी लौट आएं या तब तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा से बचें जब तक नए नियम साफ न हो जाएं.श अमेरिकन इमिग्रेशन काउंसिल के पॉलिसी डायरेक्टर जॉर्ज लोवरी ने बीबीसी से कहा, श्यह पॉलिसी बिना किसी सूचना, बिना किसी दिशा–निर्देश और बिना योजना के लाई गई है। हम देख रहे हैं कि भ्रम सिर्फ वीजा धारकों और उनके परिवारों में ही नहीं है, बल्कि एंप्लॉयर और यूनिवर्सिटीज भी समझ नहीं पा रहे कि उन्हें कैसे इसका पालन करना है। सरकार पर यह जिम्मेदारी है कि वह नियमों को साफ करे, खासकर तब जब लोगों की जिंदगियां और करियर दांव पर हों।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा–प्रवास और अमेरिका–भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म–निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है। निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता–जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच–1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित

वृद्धि का फैसला भारतीय आईटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच–1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह सिर्फ विदेशी पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है। भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी "अमेरिका फर्स्ट" नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए। पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक–आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केन्द्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी। अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है।

हिन्दी परववाड़ा

लो आ गया सितंबर, आने लगी बधाई,
हिंदी है मातृभाषा, सबको है याद आई।

उत्सव चलेगा हफ्ता, पखवाड़ा या महीना,
खाएंगे कसमें हिन्दी के बिन नहीं है जीना,
है जान से भी प्यारी कहते हैं ठोंक सीना,
कर देंगे एक अपना हम खून और पसीना,
इसकी नहीं किसी से देखो कोई लड़ाई,
हिंदी है मातृभाषा, सबको है याद आई।

हिंदी में सारे अपने हम काम अब करेंगे,
दुनिया में ऊंचा भारत का नाम सब करेंगे,
प्रस्ताव रख रहे हैं, और ताव खा रहे हैं
इंग्लिश में दोष कितने सबको बता रहे हैं,
हिंदी की सारे मिल कर हैं कर रहे बड़ाई,
हिंदी है मातृभाषा, सबको है याद आई।

असमी हो डोगरी हो या बंगला और उड़िया,
तामिल हो सिंधी, उर्दू, पंजाबी, भोजपुरिया,
मलयाली, मैथिली हो, बोडो या मणिपुरिया,
इक होड़ सी है इनमें है कौन किससे बढ़िया,
बाइस सगी हैं बहने भाषाएं मेरे भाई,
हिंदी है मातृभाषा, सबको है याद आई।

बच्चे हों कॉनवेंटी सबकी रहे ये इच्छा,
शासन वही करें जो इंग्लिश में दें परीक्षा,
टेबल और अल्फाबेट से जिनकी हुई हो दीक्षा,
हिंदी वो बोलें कैसे पाई न हिंदी शिक्षा,
उनकी जुबां पर इंग्लिश पहले है दौड़ी आई,
हिंदी है मातृभाषा, सबको है याद आई।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
सुल्तान पुर भावा, गंगागंज,
प्रयागराज।

भारत में कृत्रिम मेधा का उपयोग रोजगारोन्मुख (एम्प्लॉयमेंट–ओरिएंटेड) होना चाहिए

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहां की आबादी 141 करोड़ है इन परिस्थितियों में रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता कितनी सार्थक होगी यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत में बेरोजगारी चरम सीमा पर है ऐसे में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के युवाओं का हक छिनता नजर आता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और रोबोट का का कुछ इस तरह प्रयोग किया जाना चाहिए जिससे रोजगार के अवसर में विस्तार हो और ज्यादा से ज्यादा युवक रोजगार पा सके। यह तो सब विदित है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट का निर्माण मनुष्य ने ही किया है तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट को एम्प्लॉयमेंट ओरिएंटेड यानी रोजगारोन्मुख बनाने का काम भी मानव कर ही सकता है वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है, इन परिस्थितियों में कृत्रिम मेधा और रोबोट किन्हीं भी परिस्थितियों में युवकों को रोजगार प्राप्त करने से रोकने का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसे रोजगार हेतु सकारात्मक दृष्टिकोण को दृष्टिगत रखते हुए नए तरीके के आविष्कार किए जाने की आवश्यकता है जिसस रोजगार को बढ़ावा मिल सके। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुके हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34: बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंस यूं एई पहला देश है जिसने 2017 में इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैस यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंस दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैस एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें मानवीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रोपेगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने खूबसूरत पोस्ट के साथ प्रेग्नेंसी की घोषणा की, बेबी बंप फ्लॉन्ट किया

> कैटरीना कैफ और विक्की कौशल, माता-पिता बनने के लिए तैयार हैं। मंगलवार, २३ सितंबर को, दोनों ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं, और इसे हमारे जीवन का सबसे अच्छा अध्याय बताया।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के सभी प्रशंसकों के लिए खुशखबरी! इस जोड़े ने आखिरकार एक प्यारी सी पोस्ट के साथ अपनी पहली गर्भावस्था की घोषणा की। अभिनेत्री ने अपने बेबी बंप को दिखाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की और आधिकारिक घोषणा की। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल, माता–पिता बनने के लिए तैयार हैं। मंगलवार, 23 सितंबर को, दोनों ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं, और इसे हमारे जीवन का सबसे अच्छा अध्याय बताया। एक भावुक नोट में, जोड़े ने लिखा, खुशी और कृतज्ञता से भरे दिलों के साथ अपने जीवन के सबसे अच्छे अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस घोषणा ने तुरंत सोशल मीडिया पर धूम मचा दी, प्रशंसकों, दोस्तों और उद्योग के सहयोगियों ने जोड़े के पोस्ट पर शुभकामनाओं और आशीर्वाद की बाढ़ ला दी। अपने निजी जीवन को लेकर हमेशा से ही निजी रहने वाले इस जोड़े ने खुद ही इस खबर का खुलासा करने का फैसला किया, जिससे सभी को इस खास पल की एक झलक मिल गई। हालाँकि गर्भावस्था के बारे में विवरण अभी भी गुप्त हैं, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि कैटरीना पहले से ही गर्भावस्था के अंतिम चरण में हैं, और जल्द ही बच्चे के आने की उम्मीद है। राजस्थान में दिसंबर 2021 में एक भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंधे कैटरीना और विक्की बॉलीवुड की सबसे प्रशंसित जोड़ियों में से एक रहे हैं। पिछले तीन सालों में, रेड कार्पेट पर और इंस्टाग्राम पर उनकी केमिस्ट्री ने दर्शकों को लगातार मंत्रमुग्ध किया है। अब प्रेग्नेंसी की खबर ने उनकी प्रेम कहानी में एक और मील का पत्थर जोड़ दिया है। जहां विक्की को ष्छावाष जैसी फिल्मों में उनके दमदार अभिनय के लिए प्रशंसा मिल रही है, और कैटरीना ष्टाइगर 3ष जैसी हिट फिल्मों के साथ एक शीर्ष बॉलीवुड स्टार बनी हुई हैं, वहीं प्रशंसक जल्द ही माता–पिता बनने वाले इस जोड़े के नए दौर का जश्न मना रहे हैं। इस घोषणा के साथ ही, इंटरनेट उत्साह, मीम्स और भावुक पोस्ट से भर गया है।

प्रीति जिंटा ने हिमाचल के लिए बढ़ाया हाथ.... आपदा पीड़ितों के लिए दिए लाखों रुपये

बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के शिमला से ताल्लुक रखने वाली प्रीति जिंटा ने अपने गृह राज्य में आई आपदा के बाद मदद का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने अपनी आईपीएल टीम, पंजाब किंग्स की ओर से 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। यह राशि मंडी और कुल्लू जिलों में हुए भारी नुकसान के बाद चल रहे राहत कार्यों के लिए जारी की गई है। उन्होंने यह सहायता राशि शिमला के सर्बजीत सिंह बॉबी की संस्था को सौंपी है। सर्बजीत सिंह बॉबी ने इस सहयोग के लिए प्रीति जिंटा का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ष्मेरी बहन प्रीति जिंटा ने मंडी और कुल्लू में राहत कार्यों के लिए हमें 30 लाख रुपये का योगदान दिया है। उनकी टीम पंजाब किंग्स की ओर से दी गई इस सहायता के लिए हम उनका धन्यवाद करते हैं। सर्बजीत बॉबी ने यह भी बताया कि कुल्लू जिले के आपदा प्रभावित गाँवों को अभी भी सबसे ज्यादा मदद की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम पहले से ही मंडी के सराज क्षेत्र में पूरी लगन से काम कर रहे हैं, और आगे भी करते रहेंगे। अब हमारा मुख्य ध्यान कुल्लू जिले, खासकर बंजार और सैंज जैसे अन्य प्रभावित क्षेत्रों पर है, जहाँ के लोग अभी भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। कुल्लू जिले में कुल 69 से ज्यादा गाँव इस प्राकृतिक आपदा से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई गाँव तो पूरी तरह से जमींदोज हो गए हैं, जहाँ तक सहायता पहुँचाना भी मुश्किल हो रहा है। मातला गाँव में एक किलोमीटर से ज्यादा लंबी दरार पड़ चुकी है और गाँव की सड़कें भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

प्रियदर्शन ने किया खुलासा, क्यों मोहनलाल होंगे उनकी 100वीं फिल्म के हीरो

भारतीय सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने हाल ही में अपने करियर की 100वीं फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने साफ किया कि वह ये खास फिल्म सिर्फ साउथ सुपरस्टार मोहनलाल के साथ ही करना चाहते हैं। प्रियदर्शन का मानना है कि अगर मोहनलाल उनके जीवन में न होते, तो शायद वो भी इतने सफल नहीं बन पाते। प्रियदर्शन और मोहनलाल की दोस्ती किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों ने साथ में इंडस्ट्री में कदम रखा, और एक–दूसरे के करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। प्रियदर्शन की पहली फिल्म भी मोहनलाल के साथ ही थी, और अब वे चाहते हैं कि उनकी 100वीं फिल्म भी इसी दोस्त के नाम हो। मेरी 100वीं फिल्म को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बनी है, लेकिन एक चीज तय है – ये फिल्म मोहनलाल के साथ ही होगी। आज जो कुछ भी हूं, वो उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, मुझे मौका दिया। हम बचपन के दोस्त हैं, लेकिन मैं उन्हें आज भी एक सुपरस्टार की तरह देखता हूं। प्रियदर्शन ने यह भी कहा कि मोहनलाल के पास कई विकल्प हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा उनके साथ काम करने को प्राथमिकता दी। इस साल मोहनलाल के लिए खुशखबरी की बारिश हो रही है। उनकी दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रहीं। अब उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 23 सितंबर 2025 को प्रदान किया जाएगा।प्रियदर्शन और मोहनलाल की जोड़ी पहले भी कई हिट फिल्में दे चुकी है दृ चाहे वह मलयालम क्लासिक्स हों या हिंदी रीमेक्स। ऐसे में दर्शकों को इस 100वीं फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट, नाम और रिलीज डेट को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इस भावनात्मक और ऐतिहासिक साझेदारी ने दर्शकों की उत्सुकता चरम पर पहुंचा दी है।

सिद्धांत चतुर्वेदी बने लद्दाख फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन समारोह के गेस्ट ऑफ ऑनर

भारतीय अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने लद्दाख फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन समारोह में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की। इस मौके पर माननीय मुख्य कार्यकारी पार्षद ताशी ग्याल्सन भी मौजूद रहे। पर्यटन एवं संस्कृति सचिव श्री

संजीत रोड्रिग्स ने सिद्धांत चतुर्वेदी को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के सम्मानस्वरूप फेस्टिवल मोमेंटो भेंट किया। सिद्धांत ने समारोह में संबोधन करते हुए लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। 'गली बॉय', 'गहराइयां' और 'धड़क 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से पहचान बना चुके सिद्धांत आज बॉलीवुड के सबसे उभरते सितारों में गिने जाते हैं। उनके उत्साह और प्रशंसकों से जुड़ाव ने समारोह में चार चांद लगा दिए और उद्घाटन दिवस को और भी खास बना दिया। पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह लद्दाख फेस्टिवल 24 सितंबर तक जारी रहेगा, जिसमें क्षेत्र की जीवंत संस्कृति, परंपराओं और व्यंजनों का उत्सव मनाया जाएगा। सिद्धांत चतुर्वेदी की मौजूदगी ने इस आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ दिया और भारतीय सिनेमा व सांस्कृतिक पर्यटन के बीच गहराते संबंधों को भी उजागर किया। दर्शक और प्रशंसक इस भव्य शुरुआत के यादगार पलों के गवाह बने।

उनका अफेयर था, गर्भावस्था के दौरान मुझे प्रताड़ित किया, कुमार सानू की पूर्व पत्नी रीता भट्टाचार्य ने सिंगर पर लगाए गंभीर आरोप

गायक कुमार सानू की पूर्व पत्नी रीता भट्टाचार्य ने लोकप्रिय पार्श्व गायक के साथ अपने अतीत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। 1980 के दशक के अंत में सानू से शादी करने वाली रीता ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपनी शादी के दौरान आई समस्याओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि सबसे मुश्किल समय तब आया जब वह अपने तीसरे बच्चे, जान कुमार सानू, के साथ गर्भवती थीं। रीता ने बताया कि आशिकी की सफलता के बाद, सानू का उनके प्रति व्यवहार बदल गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया, उन्हें आज़ादी नहीं दी गई, और उन्हें खाने–पीने और इलाज के लिए भी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान सानू का एक अफेयर था और फिर भी उन्होंने उन्हें अदालत में घसीटा, जिससे उनका दिल टूट गया।

रीता भट्टाचार्य का कहना है कि कुमार सानू ने गर्भावस्था के दौरान उन्हें प्रताड़ित किया

रीता ने दावा किया कि कुमार सानू बहुत असुरक्षित महसूस करते थे और उन्हें घर से बाहर नहीं जाने देते थे। उन्होंने आगे बताया कि उनकी बहन अपने बच्चों और पति को उनके साथ रहने के लिए छोड़ आई थीं और कुमार सानू के साथ एक ही कमरे में सोती थीं, जबकि रीता अपने बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सोती थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि दोनों ने उन्हें प्रताड़ित किया। उन्होंने कहा, वह मुझे मेरी गर्भावस्था के दौरान कोर्ट ले गए। उस दौरान उनका एक अफेयर भी था, जिसका खुलासा आज हुआ। और, वह मुझे कोर्ट में घसीट लाए? मैं उस समय बहुत छोटी थी, मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी पूरी दुनिया खत्म हो गई थी, और मेरा परिवार सदमे में था। एक साल पहले उन्होंने इतनी बड़ी पार्टी की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं उनकी सफलता का कारण हूँ। मुझे कभी कारण पता नहीं चला। वह कोर्ट में मुझ पर हंसते थे और मेरा मज़ाक उड़ाते थे। रीता ने आगे दावा किया कि जब वह जान के साथ गर्भवती थीं, तब कुमार सानू ने उन्हें खाना नहीं दिया। "घर से जब बाहर जाते थे, तो किचन की अलमारियों में ताला लगा देते थे। मैं मुट्ठी भर चावल खरीदती थी और फिर अपनी ननद के घर खिचड़ी पकाती थी, और फिर हम खाना खाते थे। उन्होंने मेरे बच्चों के लिए दूध भी देना बंद कर दिया, मुझे रोज़ाना सिर्फ़ 100 देते थे और बाल रोग विशेषज्ञ से कह दिया कि हम तुम्हारे पैसे नहीं देंगे। उन्हें इंसान कहना ग़लत होगा। जब मैं बच्चों का खाना ऑर्डर करती थी, तो दुकानदार कहता था कि नहीं भेज सकते क्योंकि साब ने मना किया है।"

रीता भट्टाचार्य और कुमार सानू की शादी

रीता और कुमार सानू की मुलाकात कलकत्ता में हुई और दोनों में प्यार हो गया। उन्होंने 1980 के दशक के अंत में माता–पिता की मर्ज़ी के बिना शादी कर ली, हालाँकि बाद में उनके परिवारों ने इस शादी को स्वीकार कर लिया। 1994 में तलाक से पहले इस जोड़े के तीन बच्चे थे। अपनी शादी के दौरान, गायिका का अभिनेत्री कुनिका सदानंद के साथ भी कथित तौर पर अफेयर था। कुनिका ने बाद में बिग बॉस 19 में स्वीकार किया कि उनका एक शादीशुदा आदमी के साथ छह साल तक अफेयर रहा। उनके बेटे अयान लाल ने बाद में कुमार सानू के साथ उनके रिश्ते को बेहद ज़हरीला बताया। अपने विवरण में, रीता ने कहा कि कुमार शानू के साथ उनकी अदालत में उपस्थिति का उपहास उड़ाया गया था। उन्होंने खुलासा किया, जब मैं जान के साथ गर्भवती थी, तो मुझे ठीक से खाना भी नहीं दिया जाता था और मैं हर समय बीमार महसूस करती थी।

एजिंग स्किन को कहें बाय-बाय, घर पर ही पपीते से बनाइए ये तीन फेस स्क्रब

हम सभी अपनी स्किन को हेल्दी, फ्रेश और यंगर बनाना चाहती हैं और इसके लिए कई तरह के फैन्सी प्रोडक्ट्स में इनवेस्ट करना पसंद करती हैं, जबकि स्किन की देख–रेख के लिए नेचुरल उपायों को अपनाना ज्यादा बेहतर माना जाता है। आज के समय में जब धूल–प्रदूषण, तनाव और बढ़ती उम्र की वजह से चेहरे पर झुर्रियां, फाइन लाइन्स और डलनेस नजर आने लगती हैं तो ऐसे में पपीते को स्किन केयर रूटीन में शामिल करना एक अच्छा आइडिया है। पपीता स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। दरअसल, पपीते में मौजूद पपेन एंजाइम, विटामिन ए, सी और एंटी–ऑक्सीडेंट्स ना केवल स्किन को गहराई से साफ करते हैं, बल्कि कोलेजन बनाने की प्रक्रिया को भी तेज करते हैं। यही वजह है कि जब पपीते से स्क्रब बनाया जाता है, तो इससे झुर्रियां धीरे–धीरे कम दिखने लगती हैं और स्किन अंदर से रिपेयर होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप अपनी एजिंग स्किन के लिए पपीते की मदद से स्क्रब किस तरह बना सकती हैं–

पपीता और ओट्स से बनाएं स्क्रब

पपीता का एंजाइम डेड स्किन सेल्स को हटाता है, जबकि ओट्स जेंटल एक्सफोलिएट करता है। वहीं, शहद स्किन को मॉइस्चराइज करके झुर्रियों को कम करता है। अगर आपकी स्किन रूखी है तो ऐसे में आप पपीता और ओट्स से स्क्रब बना सकती हैं। इसके लिए आप दो बड़े चम्मच मसला हुआ पपीता, 1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स, 1 छोटा चम्मच शहद डालकर मिक्स करें। अब अपने फेस को क्लीन करके इस स्क्रब को लगाएं और हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। आखिरी में पानी की मदद से चेहरे को धो दें।

पपीता और चावल के आटे से बनाएं स्क्रब

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में आप पपीते के साथ चावल के आटे को मिक्स करके स्क्रब बना सकती हैं। इसके लिए आप दो बड़े चम्मच मसला हुआ पपीता लें और इसमें एक बड़ा चम्मच चावल का आटा और कुछ बूंदें गुलाब जल डालकर मिक्स करें। जहां चावल का आटा अतिरिक्त तेल सोखता है और रोमछिद्रों को खोलता है। वहीं, पपीता ऑयल कंट्रोल के साथ माइल्ड एक्सफोलिएशन देता है।

पपीता और ब्राउन शुगर से बनाएं स्क्रब

चाहे आपकी स्किन नॉर्मल हो या फिर कॉम्बिनेशन, आपके लिए पपीता और ब्राउन शुगर से बना स्क्रब स्किन को बहुत फायदा पहुंचाएगा। दरअसल, ब्राउन शुगर जेंटल है और त्वचा को ज्यादा ड्राई नहीं करती। वहीं, जैतून का तेल पोषण देता है और पपीता एंटी–एजिंग का काम करता है। इसके लिए आप 2 बड़े चम्मच मसले हुए पपीते में एक छोटा चम्मच ब्राउन शुगर और एक छोटा चम्मच जैतून का तेल डालकर मिक्स करें। इसे अपनी क्लियर स्किन पर लगाकर हल्की मसाज करें। फिर पानी से चेहरे को धो लें।

एथनिक से मॉडर्न तक, गोटा पट्टी फुटवियर से पाएं स्टाइलिश लुक की परफेक्ट फिनिशिंग

त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है और ऐसे में हर कोई अपने आउटफिट के साथ पहनने के लिए अलग–अलग डिजाइन वाले फुटवियर खरीदते हैं। किसी को डिजाइन वाली फुटवियर पसंद आती है, तो किसी को सिंपल डिजाइन वाली फुटवियर पसंद आती है। लेकिन अगर आप इस बार कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं, तो आपको गोटा पट्टी वर्क वाले फुटवियर ट्राई करना चाहिए। बता दें कि इस तरह की डिजाइन वाले फुटवियर कैरी करने में काफी अच्छे लगते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह के फुटवियर ट्राई कर सकती हैं।

गोटा पट्टी डिजाइन वाली वेजेज

अगर आप किसी ओकेजन पर सिंपल डिजाइन वाली साड़ी या सूट कैरी कर रही हैं, तो आपको गोटा पट्टी डिजाइन वाली वेजेज कैरी कर सकती हैं। इस फुटवियर में आपको बीच की पट्टी पर स्टोन वर्क वाला गोटा वर्क मिलेगा। इससे आपका फुटवियर फैंसी नजर आएगी। इसको पहनने के बाद आपके पैर काफी सुंदर नजर आएंगे। मार्केट में आपको इस तरह के फुटवियर 400–700 रुपए के बीच में मिल जाएंगे।

गोटा वर्क ओपन टो फुटवियर

इस तरह के फुटवियर में आपके पैर काफी ज्यादा सुंदर नजर आएंगे। यह फुटवियर पहनने के बाद काफी अच्छे लगेंगे। गोटा वर्क ओपन फुटवियर में आपको बीच में कट वर्क डिजाइन वाला गोटा मिलेगा। आप चाहें तो इसमें सिंपल डिजाइन वाले गोटा वर्क भी ले सकते हैं। या फिर सिंपल डिजाइन वाली फुटवियर को खरीदकर अलग से गोटा लगाकर इसको फैंसी बना सकती हैं। मार्केट में आपको गोटा 30–40 रुपए मीटर के हिसाब से मिल जाएगा।

गोटा वर्क जूती

अगर आप फुलकारी डिजाइन या फिर पटियाला सूट वाला आउटफिट वियर कर रही हैं, तो ऐसे में आप गोटा वर्क वाली जूती कैरी कर सकती हैं। इस तरह की जूती पहनने के बाद काफी ज्यादा अच्छी लगेगी। इस जूती में आपको आगे की तरफ गोटा वर्क मिलेगा। वहीं साइड में भी डिजाइन मिलेगा। यह जूती देखने में काफी ज्यादा सुंदर लगेंगी। आपको इसे जरूर ट्राई करना चाहिए और साथ ही इस तरह की जूती पैर में काफी अच्छी लगेगी। अगर आप भी गोटा वर्क वाले फुटवियर कैरी कर रही हैं, तो इससे आपके पैर अच्छे लगेंगे।

नवरात्रि में मां दुर्गा को गलती से भी न चढ़ाएं ये फल, नहीं तो जीवन में आ सकते हैं संकट

नवरात्रि के पावन पर्व पर माता दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए भक्त भोग में विभिन्न फल अर्पित करते हैं। ऐसा करने से माता की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख–समृद्धि बनी रहती है। लेकिन कुछ फल ऐसे भी होते हैं जिन्हें माता को कभी नहीं चढ़ाना चाहिए। हमेशा वही फल अर्पित करें जो माता को प्रिय हैं।

सही फल अर्पित करने से न केवल पूजा पूर्ण होती है, बल्कि भक्तों की सभी मनोकामनाएं माता रानी की कृपा से पूरी होती हैं।

नवरात्रि में माता को कौन से फल पसंद हैं

नवरात्रि के दौरान भक्त माता को सेब, अनार, केला, नारियल, बेल, आम, अंगूर, शरीफा, सिंघाड़ा आदि फल अर्पित करते हैं। ये फल माता को बहुत प्रिय माने जाते हैं और इन्हें भोग में चढ़ाने से देवी की कृपा मिलती है।

देवी को नहीं चढ़ाने वाले फल

कुछ फल ऐसे हैं जिन्हें नवरात्रि में माता को अर्पित नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये तामसिक या खट्टे माने जाते हैं। अगर इन्हें चढ़ाया जाए तो माना जाता है कि देवी नाराज हो सकती हैं और जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

अंजीरः नवरात्रि में अंजीर कभी नहीं अर्पित करना चाहिए। इसे तामसिक फल माना गया है।

नींबूः नींबू का उपयोग तांत्रिक पूजा में होता है, इसलिए माता की सात्विक पूजा में इसे नहीं चढ़ाया जाता।

करौंदाः अत्यधिक खट्टा होने के कारण इसे माता को अर्पित नहीं करना चाहिए।

इमलीः खट्टा होने के कारण इसे भी देवी को नहीं अर्पित किया जाता।

सूखा नारियलः पानी वाला नारियल शुभ माना जाता है, लेकिन सूखा नारियल माता को नहीं चढ़ाया जाता।

बासी और कटे हुए फलः देवी को हमेशा ताजे फल ही चढ़ाने चाहिए।

नवरात्रि में भोग और भोजन के नियम

नवरात्रि में माता के नौ रूपों की पूजा के साथ भोग लगाया जाता है।

व्रत रखने वालों को सात्विक भोजन करना चाहिए।

घर का भोजन प्याज, लहसुन या मांस–मदिरा से रहित होना चाहिए।

व्रत ना रखने वालों के लिए भी सात्विक भोजन करना शुभ है।

रात्रि का भोजन माता को भोग लगाने के बाद ही करना चाहिए।

नवरात्रि के नौ दिनों में माता के नौ अलग–अलग रूपों के लिए भिन्न भिन्न भोग लगाए जाने चाहिए। नवरात्रि में माता की पूजा और भोग का सही नियम मानना बहुत महत्वपूर्ण है। सही फल और सात्विक भोजन से माता की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख–शांति बनी रहती है।

नवरात्रि पूजा के लिए सुहागिन महिलाएं ऐसे हों तैयार, जानें परफेक्ट मेकअप और स्टाइलिंग के आसान तरीके

हर कोई नवरात्रि में देवी मां की कृपा प्राप्त करना चाहता है। नवरात्र में सुहागिन महिलाओं को नए कपड़े पहनना, सजना–संवरना बेहद जरुरी माना जाता है। जो लोग नए वस्त्र और श्रृंगार करती हैं, उनसे मां दुर्गा काफी प्रसन्न रहती है। इसलिए आपको नवरात्रि के नौ दिनों तक सजना–संवरना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे नवरात्रि पूजा के लिए तैयार हो। अगर आप मंदिर जा रहे हैं, तो कैसे रेडी हो। चलिए आपको कुछ फैशन और मेकअप टिप्स बताते है जिन्हें आप फॉलो कर सकते हैं।

ट्रेडिशनल आउटफिट पहनें

नवरात्र में पूजा–पाठ के लिए पारंपरिक कपड़े पहनना बेहद जरुरी है। सुहागिन महिलाएं साड़ी पहनकर सबसे सुंदर दिख सकती है। आप चाहे तो सूट भी पहन सकती है। रेड, नारंगी, ग्रीन, येलो जैसे शिड्स के साड़ी या फिर सूट पहन सकती है, क्योंकि इन शेड्स के कपड़े काफी सुंदर और वाइब्रेंट नजर आते हैं। अब दिन के हिसाब से भी कपड़ों के रंगों का चयन कर सकते हैं।

मिनिमल ज्वैलरी पहनें

हैवी ज्वैलरी आपके लुक को खराब कर सकते है। इसलिए आप मिनिमल ज्वैलरी पहन सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद ही प्यारा आएगा और आप स्टाइलिश नजर आएंगी। नवरात्र में सुहागिन महिलाओं को ज्वैलरी वियर करनी चाहिए। उदाहरण के तौर पर मंगलसूत्र, अंगूठी, चूड़ियां, पायल, बिछिया, झुमके आदि। यह आपके लुक को बेहतरीन बना देंगे।

लाइट मेकअप करें

आपका आउटफिट का लुक मेकअप पर डिपेंड होता है। इसलिए ज्यादा मेकअप करने से बचें। ग्लोइंग और लाइट मेकअप ही करें। फाउंडेशन का यूज न करें, इसके जगह आप टिंटेड मॉइस्चराइजर या बीबी क्रीम लगा सकते हैं। इसके साथ ही लिपस्टिक, लाइट काजल, लाइट आईशैडो और हल्का ब्लश लगा सकते हैं। आप चाहे तो हाईलाइटर का यूज कर सकते हैं। बिंदी और सिंदूर आपका लुक पूरा कंप्लीट कर देगा।

बनाएं सुंदर–सा हेयरस्टाइल

पूजा के लिए परफेक्ट लुक क्रिएट करने के लिए हेयर स्टाइल का रॉल बेहद काम साबित हो सकता है। आप सिंपल ब्रेड या मेसी बन साड़ी–सूट पर शानदार लुक प्रदान करेगा। आप चाहे तो गजरा लगा सकते हैं। ताजे फूलों को भी बन में लगा सकते हैं, जिससे आपको लुक खिलकर आएगा। आप चाहे तो गजरा लगाकर चोटी भी बना सकती हैं। अगर आपके हेयर एक्सेसरीज हैं, तो इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

ड्राईनेस और झुर्रियों का नेचुरल इलाज, स्किनकेयर का सीक्रेट हैं ये काले बीज

क्या आपकी स्किन ड्राई, डल और झुर्रियों से भरी दिखने लगी है? क्या आप बार–बार महंगे क्रीम और सीरम बदलते–बदलते थक गए हैं? अगर हां, तो खुश हो जाइए। क्योंकि आपकी खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन का सीक्रेट आपके किचन में ही मौजूद है। जी हां, हम बात कर रहे हैं चिया सीड्स की छोटे–छोटे काले बीज जो आपकी हेल्थ के साथ–साथ स्किन के लिए भी सुपरफूड हैं।

क्यों हैं चिया सीड्सः स्किन के लिए बेस्ट?

चिया सीड्स में ओमेगा–3 फैटी एसिड्स, प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई तरह के विटामिन्स होते हैं। इनकी सबसे खास बात है इनकी हाइड्रेशन पावर। ये स्किन को नेचुरली मॉइस्चराइज करते हैं, जिससे ड्राईनेस और फ्लेकी स्किन की समस्या दूर होती है। रोजाना इसका सेवन करने से स्किन सॉफ्ट, स्मूद और नेचुरली ग्लोइंग दिखने लगती है।

झुर्रियों और एजिंग को करता है कंट्रोल

चिया सीड्स में एंटी–एजिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम करने में मदद करती हैं। ये स्किन को अंदर से रिपेयर करते हैं और उसे यंग और टाइट बनाए रखते हैं। इसमें मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण स्किन की रेडनेस, पिंपल्स और इरिटेशन को कम करते हैं। यानी यह एक नेचुरल सॉल्यूशन है एजिंग और ऐक्ने प्रोन स्किन के लिए।

घर पर बनाएं चिया सीड्स से ड्राई स्किनकेयर

चिया सीड्स का इस्तेमाल सिर्फ खाने में ही नहीं, बल्कि स्किन केयर रूटीन में भी कर सकते हैं।

हाइड्रेटिंग फेस मास्कः चिया सीड्स को पानी में भिगोकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। इससे स्किन को डीप हाइड्रेशन मिलेगा।

नेचुरल फेस स्क्रबः चिया सीड्स को शहद और नींबू के रस के साथ मिलाकर स्क्रब बनाएं। इससे डेड स्किन हट जाएगी और स्किन सॉफ्ट दिखेगी।

सीरम जैसा जेलः भिगोए हुए चिया सीड्स को एलोवेरा जेल में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। यह एक नैचुरल सीरम की तरह काम करेगा।

डाइट में शामिल करना भी है जरूरी

सिर्फ स्किन पर लगाने से ही नहीं, चिया सीड्स को अपनी डाइट में शामिल करने से भी फर्क दिखेगा।

सुबह डिटॉक्स वॉटर में भिगोकर पी सकते हैं।

स्मूदी, दही, ओट्स या सलाद में मिलाकर खा सकते हैं।

रोजाना एक से दो चम्मच चिया सीड्स खाने से बॉडी डिटॉक्स होती है और स्किन नेचुरली ग्लो करती है।

महंगे प्रोडक्ट्स पर ज्यादा खर्च करने से पहले चिया सीड्स को अपनी स्किनकेयर और डाइट में शामिल करें। यह न केवल स्किन को हाइड्रेटेड और यंग बनाएगा बल्कि हेल्दी और नेचुरल ग्लो भी देगा।

संक्षिप्त

भारत-इंडोनेशिया में व्यापारिक तकरार? सूती कपड़े पर शुल्क प्रस्ताव डब्ल्यूटीओ पहुंचा

भारत सरकार द्वारा कपास पर 11प्रतिशत आयात शुल्क हटाने का किसान संघों ने विरोध किया है। हालांकि, कपड़ा उद्योग ने इस कदम का स्वागत किया है, क्योंकि उसे ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए दंडात्मक 50प्रतिशत टैरिफ का बोझ उठाना पड़ रहा है। कपड़ा क्षेत्र, जो सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, महिला परिधान श्रमिकों की छंटनी का सामना कर रहा है क्योंकि वैश्विक परिधान ब्रांड उच्च टैरिफ का बोझ ग्लोबल साउथ की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर डाल रहे हैं। भूराजनीति के अलावा, इस मुद्दे को भारत के कपास व्यापार में संरचनात्मक परिवर्तनों और कपास अनुसंधान एवं विकास में कमियों के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। यह घरेलू आपूर्ति श्रृंखला में खेत-से-फर्म संबंधों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है। भारत ने सोमवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सुरक्षा समझौते के तहत जकार्ता के सूती कपड़े पर आयात शुल्क लगाने के प्रस्ताव पर इंडोनेशिया के साथ परामर्श की मांग की। डब्ल्यूटीओ को भेजे एक पत्र में भारत ने कहा है कि इस कपड़े के निर्यात में उसका पर्याप्त व्यापारिक हित है। इसमें कहा गया, "भारत, इंडोनेशिया के साथ परामर्श का अनुरोध करता है।" डब्ल्यूटीओ आयात में अचानक वृद्धि से घरेलू उद्योग को बचाने के लिए अपने सदस्यों को सुरक्षा उपाय करने की अनुमति देता है। इसके तहत एक अस्थायी शुल्क लगाया जाता है। हालांकि, इस शुल्क या उपाय को लागू करने से पहले एक जांच की जाती है। इसमें आगे कहा गया, "भारत प्रस्ताव करना चाहता है कि परामर्श... 23 सितंबर से 26 सितंबर, 2025 तक या पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित किया जाए। सुरक्षा समिति ने विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों को इंडोनेशिया द्वारा 16 सितंबर, 2025 को जारी एक अधिसूचना भेजी है। भारत ने 2024 में 87.3 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य के सूती कपड़े का निर्यात किया, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 67.3 लाख अमेरिकी डॉलर था।

एक्मे सोलर को एसबीआई से 1100 करोड़ का सहारा, 300 मेगावाट हरित ऊर्जा परियोजना को नई उड़ान

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान में अपनी 300 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए भारतीय स्टेट बैंक से 1,100 करोड़ रुपये का घरेलू निवेश हासिल करने की मंगलवार को जानकारी दी। बयान के अनुसार, इस धनराशि का उपयोग मौजूदा ऋण को पुनर्वित्त करने तथा राजस्थान परियोजना के लिए वित्तपोषण लागत को करीब एक प्रतिशत तक कम करने के लिए किया जाएगा। यह पुनर्वित्तपोषण

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से करीब 17 वर्ष की अवधि के लिए प्राप्त किया गया है। राजस्थान में 300 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना का परिचालन 'ट्रैक रिकॉर्ड' करीब छह महीने का है। इसने लगातार इष्टतम क्षमता उपयोग कारक (सीयूएफ) स्तर बनाए रखा है। ऋण की कम लागत से एक्मे सोलर को अपनी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने में मदद मिलेगी, क्योंकि वह अगले कुछ वर्ष में महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि के लक्ष्य को लेकर चल रही है। एक्मे सोलर होल्डिंग्स एक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है। इसके पास सौर, पवन, भंडारण, 'हाइब्रिड' समाधानों आदि का विविध खंड है और इसकी परिचालन क्षमता 2,890 मेगावाट है।

वायदा बाजार में सोने का भाव 799 रुपये चढ़कर 1.11 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार

मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों के ताजा सौदों से वायदा कारोबार में सोने का भाव सोमवार को 799 रुपये चढ़कर 1.11 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 799 रुपये यानी 0.72 प्रतिशत चढ़कर 1,11,750 प्रति 10 ग्राम हो गई। हालांकि, सबसे अधिक कारोबार करने वाले अक्टूबर आपूर्ति वाले अनुबंधों में सोने का भाव 761 रुपये या 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,10,608 रुपये प्रति

10 ग्राम हो गया। पिछले सप्ताह यह 1,10,666 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर पहुंचा था। चांदी में भी तेजी देखी गई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। अगले साल मार्च में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 2,446 रुपये या 1.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,33,582 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसी तरह, दिसंबर में आपूर्ति वाले सबसे अधिक कारोबार वाले चांदी के वायदा अनुबंध की कीमत 2,473 रुपये या 1.9 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,32,311 रुपये प्रति किलोग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गए। कारोबारियों का कहना है कि रुपये में कमजोरी और घरेलू बाजार में निराशाजनक माहौल ने सोने की कीमतों को और मजबूती दी। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 0.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,732.62 डॉलर प्रति औंस रहा। इस बीच, दिसंबर में आपूर्ति वाली चांदी का वायदा भाव 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 43.88 डॉलर प्रति औंस रहा।

हारिस रऊफ के विवादित इशारे के बाद उनकी पत्नी का आपत्तिजनक पोस्ट, सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

दुबई। पाकिस्तान और भारत के बीच हुए एशिया कप 2025 सुपर 4 मैच में भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया। यह इस टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ पाकिस्तान टीम की दूसरी हार रही। हालांकि, शर्मनाक खेल दिखाने के बावजूद पाकिस्तान की अकड़ कम नहीं हो रही है। पाकिस्तान की टीम अपने खेल की वजह से नहीं, बल्कि बचकानी और आपत्तिजनक हरकतों की वजह से चर्चा में है। साहिबजादा फरहान और हारिस रऊफ ने मैदान पर विवादित और अपमानजनक इशारा किया था। अब रऊफ की पत्नी मुजना मसूद मलिक का भी पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने रऊफ की आपत्तिजनक तस्वीर साझा की। हालांकि, विवाद होने पर उन्होंने पोस्ट डिलीट कर लिया। रऊफ ने मैच के दौरान कई बार फैन्स की ओर देखकर अंगुलियों से 6-0 का इशारा किया था। साथ ही प्लेन उड़ने जैसा जेस्चर बनाया था। यह जेस्चर यह दिखाने के लिए था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने छह भारतीय विमानों को गिराया था, जो पहले ही झूठा साबित हो चुका है। इस हरकत की सोशल मीडिया और क्रिकेट फैंस ने जमकर आलोचना की।

मुजना मसूद का पोस्ट वायरल

अब रऊफ की पत्नी मुजना मसूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति की तस्वीर शेयर करते हुए विवाद को और बढ़ा दिया। उन्होंने तस्वीर में दिखाए गए 6-0 इशारे को सही ठहराया और कैप्शन में लिखा, मैच हार गए, जंग जीत ली। मुजना का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पोस्ट और इस इशारे पर चर्चा बढ़ने के बाद इंस्टाग्राम स्टोरी को तुरंत हटा दिया गया।

सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना

रऊफ और उनकी पत्नी का यह विवादित व्यवहार सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक लगाने के बाद गनफायर जश्न मनाया था। उन्होंने बल्ले को एक-47 की तरह पकड़कर फायरिंग जैसा जेस्चर किया था। फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञों ने इसे अनुचित और अपमानजनक बता रहे हैं। कई लोगों ने इसे पाकिस्तान टीम की मानसिकता पर सवाल उठाने वाला कदम करार दिया। फैन्स का कहना है कि इससे साबित होता है कि पाकिस्तान ही आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया

भारत ने एशिया कप के सुपर चार चरण के मैच में पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर विजयी अभियान जारी रखा है। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने भारत को दमदार शुरुआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। भारत ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 174 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत के लिए अभिषेक ने शानदार बल्लेबाजी की और 39 गेंदों पर छह चौकों और पांच छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। उन्होंने गिल के साथ पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार खाता नहीं खोल सके। संजू सैमसन भी 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हार्दिक पांड्या सात रन और तिलक वर्मा 19 गेंद में 30 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए।

अभिषेक ने दिया करारा जवाब

अभिषेक शर्मा ने मैच के बाद कहा, पाकिस्तानी गेंदबाज बिना किसी वजह भारतीय बल्लेबाजों को उकसाने की कोशिश कर रहे थे। अभिषेक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया और पाकिस्तान पर तंज कसते हुए लिखा, तुम बातें करते रहो, हम जीतते रहेंगे। इस कहासुनी और मैदान पर तनाव ने मैच के रोमांच को और बढ़ा दिया।

बहुत सारी कमजोरियां हैं..., भारत से लगातार दो मैच हारने पर वसीम अकरम ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा

दुबई। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एशिया कप 2025 सुपर फोर में भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान टीम की कड़ी आलोचना की है। अकरम ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान को टीम इंडिया ने हर विभाग में मात दी। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और रणनीति सभी पर सवाल उठाए। अकरम ने कहा, भारत ने पाकिस्तान को हर विभाग में पछाड़ दिया और यह पिछले चार-पांच वर्षों से होता आ रहा है। हम (पाकिस्तान) केवल एक-दो बार ही जीत पाए हैं।

बल्लेबाजी में सुधार की आवश्यकता

अकरम ने ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए था। उन्होंने खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट और विशेषकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलने पर जोर दिया। अकरम ने कहा, बहुत सारी कमजोरियां हैं। खिलाड़ियों को एक निश्चित मात्रा में रेड-बॉल क्रिकेट खेलनी चाहिए। यही तरीका है जिससे आप स्पिनर्स को समझ पाएंगे और बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

गेंदबाजी में भी नहीं दिखी प्रभावी रणनीति

अकरम ने पाकिस्तान की गेंदबाजी विभाग की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब आपके पास अच्छा स्कोर होता है और आप मजबूत टीम के खिलाफ खेल रहे होते हैं, तो मुख्य गेंदबाजों को पर्याप्त ओवर देने चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप इतनी मजबूत टीम के खिलाफ खेल रहे हैं और बोर्ड पर अच्छा स्कोर है, तो आपको अपने मुख्य गेंदबाजों को कुछ ओवर देने चाहिए, चाहे वह शाहीन अफरीदी हों या कोई और। लेकिन आपने अबरार से ओवर करवाए। तब तक खेल खत्म हो चुका था।

अभिषेक शर्मा का धमाकेदार प्रदर्शन

इस मुकाबले में भारत ने 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतरीन शुरुआत की थी। अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने बेहतरीन शुरुआत दी और विस्फोटक बल्लेबाजी की।

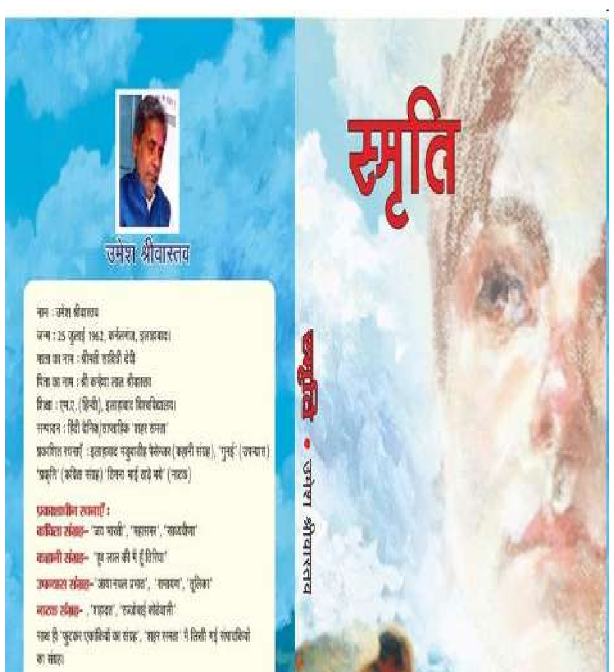

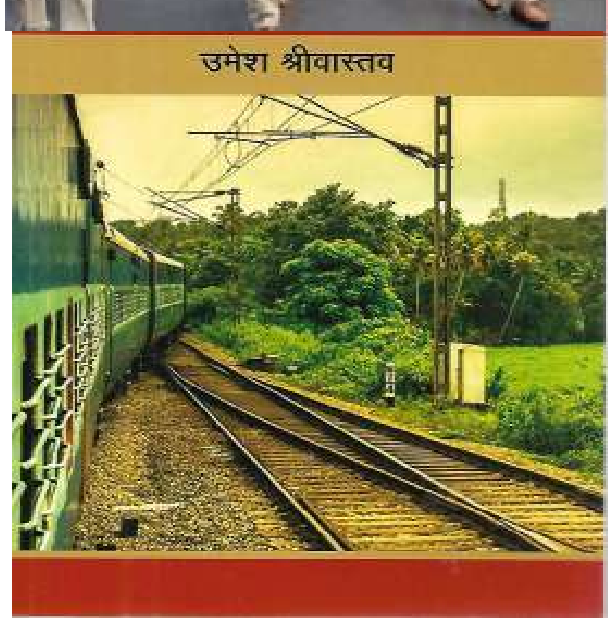

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

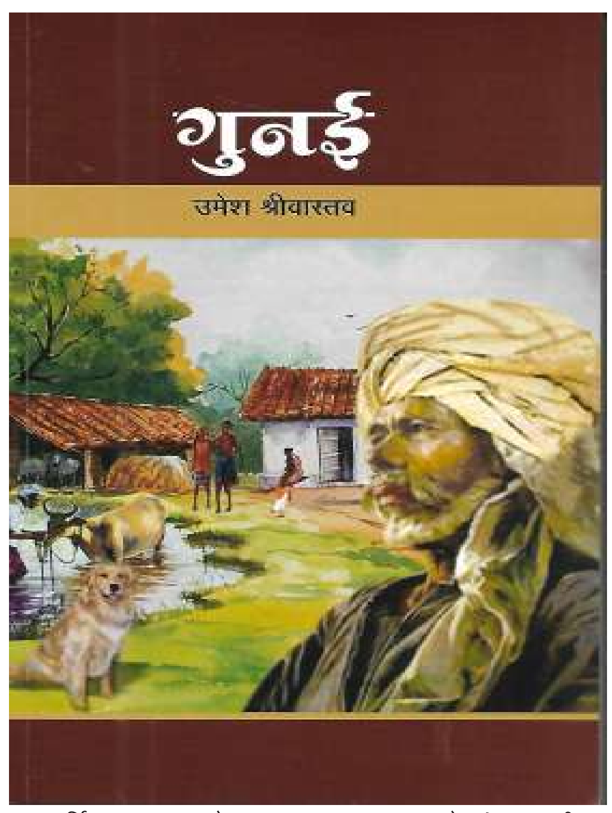

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

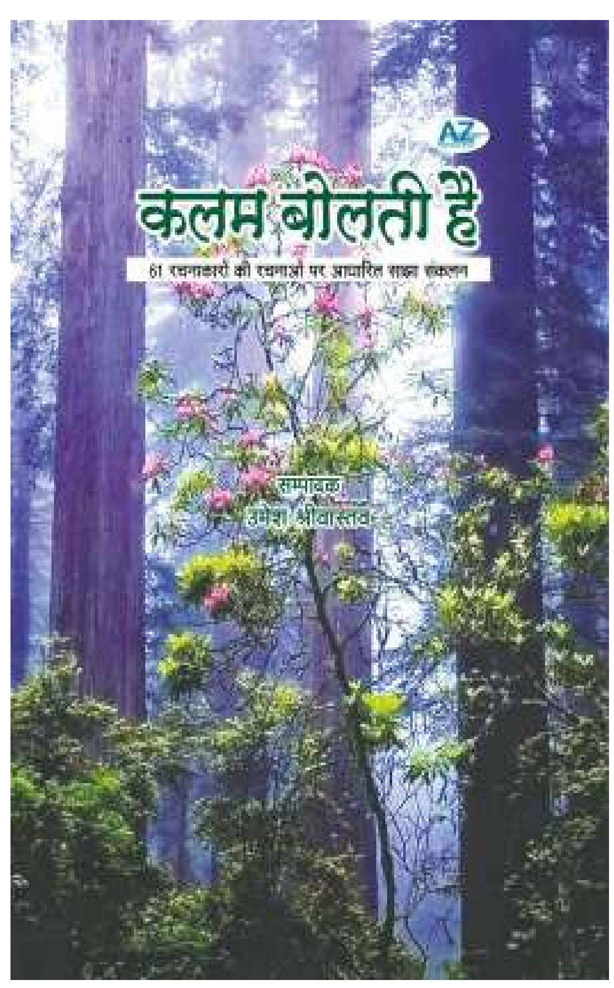

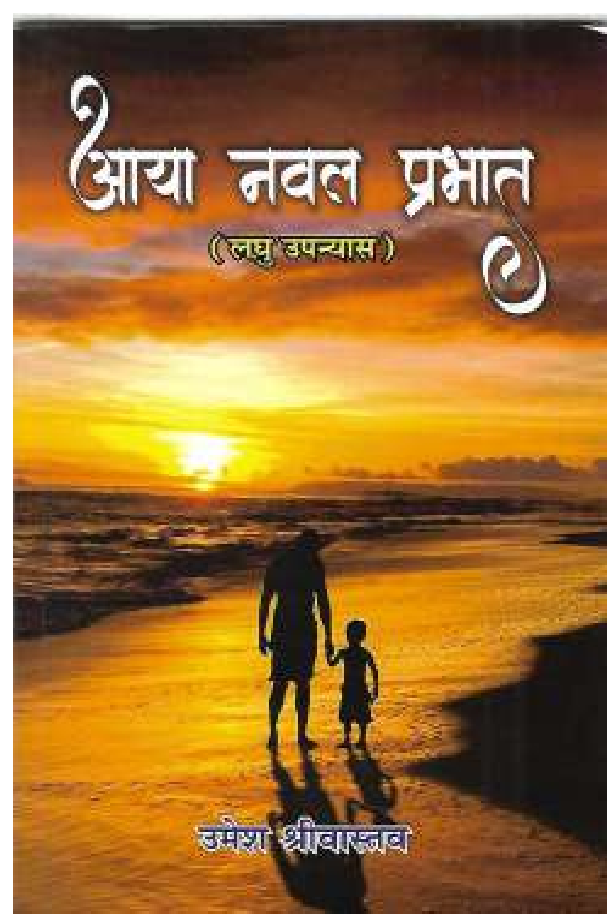

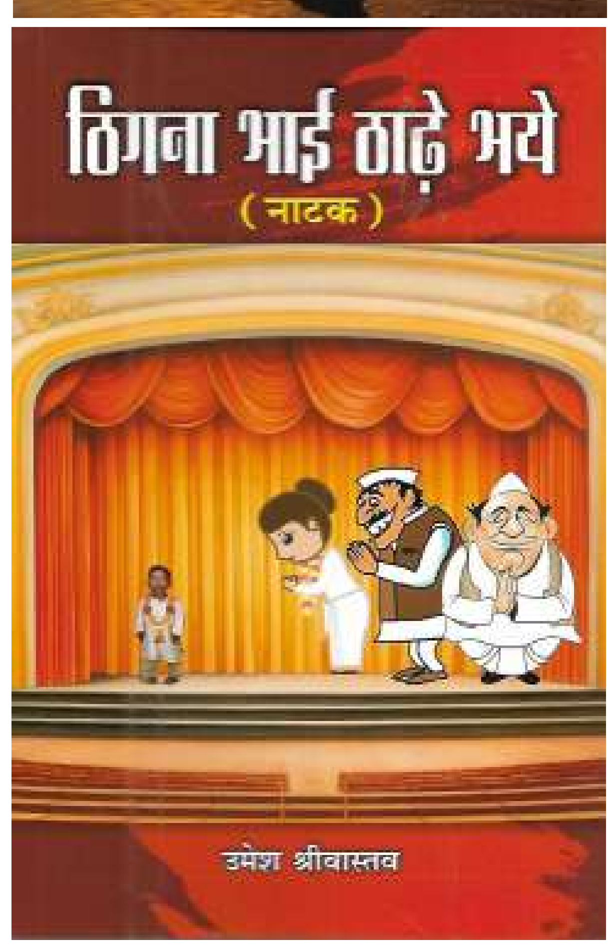

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

हैती में रूह कंपाने वाला ड्रोन हमला, झुग्गी बस्ती में 8 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत

हैती की राजधानी हैती के गिरोह–नियंत्रित स्लम सिटी सोलेइल में एक संदिग्ध गिरोह के नेता को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले में कम से कम आठ बच्चों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए, उनके रिश्तेदारों और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया। उन्होंने शनिवार रात हुए हमले के लिए पुलिस को ज़िम्मेदार

ठहराया। पीड़ितों के रिश्तेदारों एवं कार्यकर्ताओं ने इसकी जानकारी दी। रिश्तेदारों एवं कार्यकर्ताओं ने इस हमले के लिये पुलिस को जिम्मेदार ठहराया है। यह विस्फोट शनिवार रात सिटे सोलेइल में हुआ, जिसका नियंत्रण विव अनसनम के पास है, जो शक्तिशाली गिरोहों का एक गठबंधन है। इसे अमेरिका ने विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है। इस गठबंधन के नेताओं में से एक जिमी चेरिज़ियर ने हमले का बदला लेने की कसम खाई है। चेरिजियर को बारबेक्यू के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि इस हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हुयी है। अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के विरुद्ध वैश्विक पहल में हैती वेधशाला के प्रमुख रोमेन ली कौर ने कहा कि यह हमला जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा, "इस हमले को अब 48 घंटे हो चुके हैं और अधिकारियों ने अभी तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की है या सार्वजनिक रूप से ज़िम्मेदारी नहीं ली है। आखिरकार, इस हमले की ज़िम्मेदारी कौन लेगा – प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति परिषद, निजी सुरक्षा कंपनियां या हैती का राष्ट्रीय पुलिस नेतृत्व।" हैती नेशनल पुलिस के प्रवक्ता लायनेल लजारे इस हमले पर टिप्पणी के लिये उपलब्ध नहीं हो सके।

संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों की तलवार के बीच, रूस–ईरान का 8 परमाणु संयंत्रों पर बड़ा समझौता

ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी वार्ता के लिए मास्को पहुँच गए हैं, ईरानी सरकारी मीडिया ने सोमवार को बताया। संयुक्त राष्ट्र इस बात पर विचार कर रहा है कि तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए जाएँ या नहीं। 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तेहरान पर से प्रतिबंध स्थायी रूप से हटाने के प्रस्ताव के मसौदे को अस्वीकार कर दिया। इस कदम का रूस और चीन ने समर्थन किया था और ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने के प्रयासों

का विरोध किया था। यूरोपीय देश तेहरान पर विश्व शक्तियों के साथ 2015 में हुए उस समझौते का पालन न करने का आरोप लगाते हैं जिसका उद्देश्य उसे परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना था। ईरान ऐसी किसी भी मंशा से इनकार करता है और रूस का कहना है कि वह तेहरान के शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के अधिकार का समर्थन करता है। ईरान के उपराष्ट्रपति, इस्लामि ने ईरानी सरकारी मीडिया को बताया कि रूस की उनकी यात्रा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिसमें आठ परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण की योजना भी शामिल है, क्योंकि तेहरान 2040 तक 20 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। एस्लामी ने कहा कि अनुबंध पर बातचीत हो चुकी है और इस सप्ताह समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही हम परिचालन संबंधी कदम उठाएंगे। ईरान, जो उच्च मांग वाले महीनों के दौरान बिजली की कमी से जूझता है, के पास दक्षिणी शहर बुशहर में केवल एक चालू परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जिसका निर्माण रूस द्वारा किया गया था और जिसकी क्षमता लगभग 1 गीगावाट है।

एनवीडिया ओपनएआई में 88 खरब रुपये करेगी निवेश

अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी एनवीडिया ओपनएआई में 88.28 खरब रुपये का निवेश करेगी। उसे डाटा सेंटर चिप्स की भी आपूर्ति करेगी। कंपनियों ने सोमवार को कहा, यह कदम वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता दौड़ में दो सबसे उच्च प्रोफाइल खिलाड़ियों के बीच गठजोड़ को चिह्नित करता है। यह फैसला उन्नत एआई सिस्टम विकसित करने वाली तकनीकी दिग्गजों के बढ़ते परस्पर–विरोधी हितों को बताता है। इस सौदे से एनवीडिया को दुनिया की सबसे प्रमुख एआई कंपनी में वित्तीय हिस्सेदारी मिलती है, जो पहले से एक महत्वपूर्ण ग्राहक है। यह निवेश ओपनएआई को उन्नत चिप्स खरीदने के लिए आवश्यक नकदी और पहुंच प्रदान करता है, जिसकी उसे बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए सबसे पहले आवश्यकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

अमेरिका के इतिहास का सबसे बुरा दौर, ट्रंप के कार्यकाल में पहली बार पश्चिमी देशों ने पकड़ी अलग राह

अमेरिकी इतिहास में वर्तमान समय को याद रखा जाएगा, लेकिन वो भी शर्मनाक तरीके से क्योंकि ट्रंप अब उस राष्ट्रपति के तौर पर जाने जाएंगे जिनके कार्यकाल में पश्चिमी देश अमेरिका से अलग होकर फिलिस्तीन को मान्यता देने लगे हैं। ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने एक ज्वाइंट डिक्लेरेशन जारी किया। तीनों देशों ने साफ कहा कि हम फिलिस्तीन को देश की मान्यता देते हैं और वो भी 1967 की सीमाओं के आधार पर। यानी वो फिलिस्तीन जिसकी आधी से ज्यादा जमीन को इजरायल ने कब्जा कर लिया है। इन तीनों देशों ने साफ कह दिया है कि ये कब्जा अवैध है और असली फिलिस्तीन 1967 वाला है। यानी जो नक्शा अमेरिका और इजरायल को कभी मंजूर नहीं था। वही आज ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने पूरी दुनिया के सामने स्वीकार कर लिया। ट्रंप ने इसे रोकने के लिए सबकुछ किया। 60 बिलियन डॉलर का निवेश कराया। ताकी ब्रिटेन झुक जाए और दबाव बनाए कि पश्चिमी देश अमेरिका के खिलाफ न जाए। लेकिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप की बात को ठुकरा दिया और जो वादा किया था, फिलिस्तीन को मान्यता देने का उसे पूरा किया। ये बड़ा कदम इसलिए भी है क्योंकि वेस्टर्न ब्लॉक की ताकत ही अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार थी। दुनिया मानती थी कि अमेरिका जो कहेगा पश्चिमी देश भी वही करेंगे। लेकिन आज ये भ्रम भी टूट गया। ये कदम इजरायल के खिलाफ कम और ट्रंप के खिलाफ ज्यादा है। पिछले कुछ वक्त से ट्रंप ने पश्चिमी देशों को लगातार परेशान किया। नाटो फंडिंग को लेकर झगड़े किए और ट्रेड वॉर में दबाव वाली रणनीति अपनाई। वहीं यूरोप से चीन–भारत के खिलाफ कार्रवाई करवाने की कोशिश की। पश्चिमी देशों ने अब इस मौके पर ट्रंप को झटका दिया। अमेरिकी राजनीति में ज्यूइश लॉबी का दबदबा है। हर राजनेता जानता है कि चुनाव फंडिंग और पॉलिटिकल फंडिंग में इस लॉबी का दबदबा है। इसलिए अमेरिका में कोई भी राष्ट्रपति खुलकर इजरायल के विरोध में नहीं जाता है। लेकिन अब हालात उल्टे हैं। ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने जो कदम उठाया है। उसने ट्रंप को विलेन बना दिया है। इस कदम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टू नेशन सॉल्यूशन को जिंदा रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। लेकिन इस फैसले से इजरायल और अमेरिका के साथ पश्चिमी देशों के रिश्तों में खिंचाव आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से कुछ दिन पहले ही ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने फलस्तीन को बतौर देश आधिकारिक मान्यता दे दी है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ये फैसला फलस्तीन और इजरायल लोगों के लिए शांति की उम्मीद और टू स्टेट सॉल्यूशन को जिंदा करने की दिशा में उठाया गया कदम है।

हनुमान जी की प्रतिमा को लेकर रिपब्लिकन नेता के बयान पर बवाल, 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' को लेकर की थी ये टिप्पणी

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य में मौजूद 90 फुट ऊंची भगवान हनुमान की प्रतिमा को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह प्रतिमा, जिसे श्स्टैच्यू ऑफ यूनियनश कहा जाता है, 2024 में अनावरण की गई थी और यह अमेरिका की तीसरी सबसे ऊंची प्रतिमा है। इसे श्री चिन्नजीयर स्वामीजी की परिकल्पना में बनाया गया था और यह टेक्सास के श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर परिसर में मौजूद है।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

विवाद तब शुरू हुआ जब टेक्सास के रिपब्लिकन नेता अलेक्जेंडर डंकन, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी से जुड़े हैं और सीनेट चुनाव लड़ रहे हैं, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस प्रतिमा को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। डंकन ने पोस्ट में लिखा, 'हम एक क्रिश्चियन (ईसाई) राष्ट्र हैं। हम टेक्सास में झूठे हिंदू भगवान की झूठी प्रतिमा को क्यों अनुमति दे रहे हैं?' इसके साथ ही उन्होंने प्रतिमा का वीडियो भी साझा किया। डंकन यहीं नहीं रुके, एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बाइबल का हवाला देते हुए लिखा, तुम्हें मेरे अलावा किसी और ईश्वर की पूजा नहीं करनी चाहिए। तुम अपने लिए किसी प्रकार की मूर्ति या स्वर्ग, धरती या समुद्र में किसी भी वस्तु की प्रतिमा नहीं बनाओ। यह उद्धरण एक्सोड्यूस 20:3–4 से लिया गया था।

डंकन के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया

डंकन की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर भारी आलोचना शुरू हो गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने उनके बयान को हिंदू विरोधी और भड़काऊ करार दिया। संगठन ने औपचारिक रूप से टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी से शिकायत दर्ज कराई और मांग की कि पार्टी अपने नेता के खिलाफ कार्रवाई करे। एचएएफ ने श्एक्सश पर लिखा, श्क्या टेक्सास की रिपब्लिकन पार्टी अपने उस सीनेट उम्मीदवार के खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाएगी, जिसने खुलेआम आपके ही भेदभाव–विरोधी दिशा–निर्देशों का उल्लंघन किया है और हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत फैलाई है? यह अमेरिका के पहले संशोधन के प्रावधानों का भी अपमान है।

सोशल मीडिया पर डंकन को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया

कई अन्य लोगों ने भी डंकन को याद दिलाया कि अमेरिकी संविधान हर व्यक्ति को अपनी पसंद का धर्म मानने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता देता है। एक यूजर जॉर्डन क्राउडर ने लिखा, श्सिर्फ इसलिए कि आप हिंदू नहीं हैं, इसका मतलब यह नहीं कि यह धर्म झूठा है। वेदों की रचना यीशु के धरती पर आने से लगभग 2000 साल पहले हुई थी। यह अद्भुत ग्रंथ हैं, जिनका प्रभाव ईसाई धर्म पर भी दिखाई देता है। बेहतर होगा कि आप इस प्राचीन धर्म का सम्मान करें और इसके बारे में अध्ययन करें।

हनुमान जी प्रतिमा का महत्व

स्टैच्यू ऑफ यूनियन न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसे हिंदू समुदाय की एकता और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू का 'दाहिना हाथ' इंद्रजीत सिंह गोसल कनाडा में गिरफ्तार, भारत के लिए बड़ी सफलता

खालिस्तानी आतंकवादी इंद्रजीत सिंह गोसल, जो भारत में प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के घोषित आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का करीबी सहयोगी है, को कथित तौर पर कनाडा में गिरफ्तार किया गया है। गोसल कनाडा में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह का मुख्य आयोजक था। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने दावा किया है कि 36 वर्षीय गोसल को ओटावा में आग्नेयास्त्र रखने से संबंधित कई आरोपों में हिरासत में लिया गया था। वह पन्नू के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) के रूप में भी

काम कर चुका था। उसकी गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब पिछले हफ्ते भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसमें आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए मिलकर काम करना शामिल है।

गोसल की संदिग्ध भूमिका और विवादास्पद पृष्ठभूमि

निज्जर की मौत के बाद गोसल का नाम भारत विरोधी गतिविधियों में सबसे आगे आया था। वह पिछले साल ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र के एक मंदिर में हुई हिंसा के एक मामले में संदिग्ध था और अस्थायी हिरासत के बाद उसे रिहा कर दिया गया था। उन पर कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों में हिंसा की साजिश रचने का भी आरोप था। खालिस्तान जनमत संग्रह के समर्थन में अपने अति–सक्रिय अभियान के लिए प्रसिद्ध, गोसल, एसएफजे प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के कनाडा दौरों पर उनके निजी सुरक्षा अधिकारी भी थे। उन्हें प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से भी जुड़े होने के लिए जाना जाता है।

राजनयिक तनाव और सुरक्षा संबंधी दावे

यह गिरफ्तारी पिछले साल निज्जर की हत्या के बाद कनाडा और भारत के बीच अत्यधिक तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के दौर के बाद हुई है। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हत्या की साजिश रचने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को दोषी ठहराया था। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने उच्चायुक्त और पाँच अन्य अधिकारियों को ओटावा से वापस बुला लिया था और कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। गोसल ने खुद कहा था कि वह भी आपराधिक हिंसा का शिकार हुए थे। एक कनाडाई समाचार पोर्टल को दिए साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि उन्हें ष्भारत सरकार के एजेंटों और प्रतिनिधियों से अपनी जान का खतराष था, लेकिन फिर भी वह अपना काम जारी रखने के लिए बाध्य महसूस करते थे। कनाडाई पुलिस ने भी कहा था कि गोसल उन 13 नागरिकों में से एक थे, जो खालिस्तान समर्थक ताकतों द्वारा की गई हिंसा के शिकार हुए थे।

इंद्रजीत सिंह गोसल कौन हैं?

36 वर्षीय गोसल को पन्नू का दाहिना हाथ माना जाता है और वह पन्नू के अंगरक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं। जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की मृत्यु के बाद, गोसल कथित तौर पर एसएफजे के एक प्रमुख कनाडाई आयोजक के रूप में उभरे। उन्हें पिछले साल नवंबर में ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) के एक हिंदू मंदिर में हुई हिंसक घटना के सिलसिले में हिरासत में लिया गया था, जहाँ उन पर हिंदू–कनाडाई श्रद्धालुओं पर हमला करने का आरोप लगाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस (पीआरपी) ने उन्हें कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया। पीआरपी ने कहा था, ष8 नवंबर, 2024 को, उन्हें ख्गोसल, गिरफ्तार किया गया और उन पर हथियार से हमला करने का आरोप लगाया गया। उन्हें शर्तों के साथ रिहा किया गया और उन्हें बाद में ब्रैम्पटन स्थित ओंटारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस में पेश होना है। कनाडाई पुलिस के अनुसार, गोसल कथित तौर पर खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ हिंसक अपराधों में लक्षित 13 कनाडाई नागरिकों में शामिल थे। निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधों में भारी तनाव पैदा कर दिया, जो एक हिंदू मंदिर पर हमले और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों से और भी बिगड़ गया। कनाडाई पुलिस ने पिछले साल अगस्त में कथित तौर पर गोसल को उनकी जान को बढ़ते खतरे के बारे में आगाह किया था। पन्नून ने ओंटारियो पुलिस और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) द्वारा गोसल को ष्चेतावनी देने के कर्तव्यष संबंधी नोटिस की भी पुष्टि की थी। पन्नून के एक बयान के अनुसार, गोसल ने कहा था, ष्कनाडाई अधिकारियों ने मुझे मेरी जान को खतरे के बारे में सूचित किया है।ष हालाँकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पंजाब के लिए खालिस्तानी अलगाव योजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रीलंका में नौसेना प्रमुख ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने 22 सितम्बर को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में इंडियन पीस कीपिंग फोर्स (आईपीकेएफ) मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह समारोह उन सैनिकों के साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने श्रीलंका में शांति बनाए रखने के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। इस दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और रक्षा मंत्री के साथ मुलाकात की। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने, नौसैनिक साझेदारी मजबूत करने और संयुक्त प्रशिक्षण को लेकर चर्चा हुई। यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच दोस्ती, समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

इस सप्ताह कई वैश्विक नेताओं से मिलेंगे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में कई महत्वपूर्ण बैठकें करने वाले हैं। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस और यूक्रेन, अर्जेंटीना और यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता से होगी। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने सोमवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने बताया कि एक अलग बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन में, ट्रंप कतर, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, तुर्किये, पाकिस्तान, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

पीएम मोदी ने नेतन्याहू और इस्राइलवासियों को दी यहूदी नववर्ष की बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दुनिया भर के यहूदी समुदाय और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यहूदी नववर्ष रोश हशनाह की शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, शाना तोवा! मेरे मित्र प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, इस्राइल के लोगों और दुनिया भर के यहूदी समुदाय को रोश हशनाह की हार्दिक शुभकामनाएं। सभी को शांति, आशा और अच्छे स्वास्थ्य से भरे नए साल की शुभकामनाएं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद एक और आक्रामकता के आगे नहीं झुकेंगे : ब्राजील

ब्राजील सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की पत्नी पर अमेरिकी प्रतिबंधों की घोषणा को गहरा आक्रोश के साथ स्वीकार किया। उन्होंने इसे देश की संप्रभुता पर हमला बताया। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम एक और आक्रामकता के आगे नहीं झुकेंगे।

राज कमल इरिट्रिया में भारत के अगले राजदूत नियुक्त

मिलान स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में कार्यरत राज कमल को इरिट्रिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राजकमल जल्द ही नया कार्यभार संभाल लेंगे। भारत ने 24 मई, 1993 को इथियोपिया से इरिट्रिया की विधिवत स्वतंत्रता के तुरंत बाद इसे औपचारिक रूप से मान्यता दी थी।

2 साल की ट्रेनिंग के बाद उड़ान की तैयारी

इन सभी को अब दो साल की कठोर ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद ही वे अंतरिक्ष उड़ानों के लिए पात्र बनेंगे।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।